

मनेन्द्रगढ़

05 फरवरी 2025

गुरुवार



दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक

मीडियाऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

सुप्रीम कोर्ट में बोलीं ममता:

‘व्हाट्सएप आयोग जैसा है चुनाव आयोग, सिर्फ नाम काटने के लिए हो रहा SIR, निशाने पर बंगाल’

नईदिल्ली/कोलकाता,एजेंसी सुप्रीम कोर्ट में आज पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सुनवाई हुई इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद वकीलों के बीच मौजूद थी इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने की मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें पश्चिम बंगाल के अपने दो साथी न्यायाधीशों से जानकारी मिली जिन्होंने पास प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया समझाई और इसी समझ के आधार पर इस मुद्दे को शामिल किया गया। मामले में सीएम ममता बनर्जी का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि न्यायालय ने पहले तार्किक विसंगतियों की सूची प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि न्यायालय को सूचित किया गया था



32 लाख मतदाता सूचीबद्ध नहीं- बंगाल सरकार

कि सूची संचार का एकमात्र माध्यम नहीं है और संबंधित व्यक्तियों की व्यक्तिगत नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं अधिकवक्ता श्याम दीवान ने न्यायालय से याचिकाकर्ता के संक्षिप्त नोट पर विचार करने का आग्रह किया और बताया कि इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए केवल चार दिन शेष हैं उन्होंने कहा कि 32 लाख मतदाता सूचीबद्ध नहीं हैं 1.36 करोड़ नाम तार्किक विसंगति सूची में हैं, और 63 लाख

नाम हटाने के लिए भाजपा शासित राज्यों से सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की हुई नियुक्ति मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को प्रभावी रूप से उनके नामों को हटाने के लिए नियुक्त किया गया है उन्होंने दावा किया कि ये सूक्ष्म पर्यवेक्षक बिना उचित सत्यापन के कार्यालयों में बैठे-बैठे ही नाम हटा रहे हैं उन्होंने आगे आरोप लगाया कि फॉर्म 6 भरने की अनुमति नहीं दी गई है जिसके परिणामस्वरूप लाखों नाम हटा दिए गए हैं। उनके अनुसार कई जीवित व्यक्तियों को गलत तरीके से मृत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने इन कार्रवाइयों को महिला विरोधी बताया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि 58 लाख नाम काट दिए गए, उनके पास अपील करने का विकल्प नहीं था केवल बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है - पश्चिम बंगाल के लोगों को कुचलने के लिए। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि शायद अधिकारियों की उपलब्धता के बाद सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की आवश्यकता नहीं होगी। इस पर चुनाव आयोग से मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अपने अधिकारियों को भी बताएं कि वे संवेदनशील रहें और नोटिस जारी न करें... ममता ने चुनाव आयोग को 'व्हाट्सएप आयोग' कहा :सुप्रीम कोर्ट में ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को 'व्हाट्सएप आयोग' कहा और कहा कि चुनाव आयोग व्हाट्सएप के माध्यम से अनौपचारिक आदेश जारी कर रहा था।

ममता का आरोप- सिर्फ नाम हटाने के लिए हो रहा SIR का इस्तेमाल इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह ठोस उदाहरण दे रही हैं और प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित तस्वीरें भी दिखा सकती हैं उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया का उपयोग केवल नाम हटाने के लिए किया जा रहा है उदाहरण देते हुए, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि जब कोई बेटी शादी के बाद अपने ससुराल जाती है तो सवाल उठते हैं कि वह अपने पति का उपनाम क्यों इस्तेमाल कर रही है उनके अनुसार ऐसी कई महिलाओं के नाम एकतरफा तरीके से मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं उन्होंने आगे कहा कि प्लेटेड खरीदने या निवास स्थान बदलने वाले गरीब लोगों के नाम भी हटाए जा रहे हैं इन परिस्थितियों के बावजूद, अधिकारी ऐसे मामलों को 'गलत मानचित्रण' बताकर अदालत के पूर्व निर्देशों का उल्लंघन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीच में ही टोकते हुए कहा कि ऐसा नहीं होगा वहीं सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि नाम संबंधी विसंगतियों के कारण सीमित समय का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद हो रहा है।

मणिपुर में खेमचंद ने सरकार बनाने का दावा पेश किया



●सरकार में 2 डिप्टी सीएम भी होंगे, कुकी नेता नेम्चा पहली राज्य की पहिला उपमुख्यमंत्री बनेंगी

राज्य में राष्ट्रपति शासन की समयसीमा खत्म हो रही

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के एक साल के भीतर NDA सरकार फिर से बहाल होने जा रही है विधायक दल का नेता युमनाम खेमचंद सिंह बुधवार सुबह वरिष्ठ भाजपा नेताओं और विधायकों के साथ चार्टर्ड विमान से इम्फल पहुंचे और राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया पार्टी सूत्रों के अनुसार, खेमचंद के साथ दो संस्कार में दो उपमुख्यमंत्री होंगे ताकि सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित किया जा सके डिप्टी सीएम में कुकी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली नेमचा किफोन और नागा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले लोथो

नई दिल्ली में मंगलवार को मणिपुर भाजपा के विधायक दल की बैठक हुई थी इसमें भाजपा विधायक युमनाम खेमचंद सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया था आज NDA के घटक दलों के विधायकों की बैठक में तीनों नामों पर मुहर लग सकती है मणिपुर में मैहई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण 9 फरवरी 2025 को तत्कालीन सीएम एन. बीरन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था इसके 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया।

दिखा होंगे नेम्चा राज्य की पहली महिला डिप्टी सीएम होंगी सूत्रों ने यह भी बताया कि कोंथोजम गोविंदस सिंह को प्रस्तावित मिनिमंडल में गृह मंत्री बनाया जा सकता है।

पुणे में बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां को कार ने मारी टक्कर, झड़वर फरार

नई दिल्ली ,एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां का पुणे में एक्सीडेंट हो गया है। इस हादसे में वह घायल हो गई। इस घटना को लेकर शहजाद पूनावाला ने दावा किया है कि उनकी मां को जानबूझकर टक्कर मारी गई है। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की अपील की है।पूनावाला के मुताबिक, एक अनजान व्यक्ति ने कथित तौर पर उनकी मां को गाड़ी से टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया इसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गई सीएम फडणवीस ने दिए जांच के आदेश :महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। उनके दफ्तर ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य और पुणे के सीनियर पुलिस अधिकारियों की ज़रूरी निर्देश दिए हैं।

यूनानी चिकित्सा की हिंदी में पढ़ाई करवाने वाला पहला राज्य बनेगा मध्य प्रदेश, पाठ्यक्रम तैयार

भोपाल,एजेंसी। मध्य प्रदेश में एलोपैथी के बाद अब यूनानी चिकित्सा पद्धति की पढ़ाई भी हिंदी में होगी इसके लिए आयुर्विभाग ने उर्दू पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद करवाया है खातक बीयूएमएस प्रथम वर्ष में सात विषय हैं इनमें से पांच विषयों की पुस्तकों का अनुवाद हो गया है दो विषयों की पुस्तकें उर्दू और अरबी भाषा की हैं एनाटॉमी यानी शरीर रचना विज्ञान और फिजियोलॉजी (शरीर क्रिया विज्ञान) की पुस्तकों का अनुवाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने कराया था। यूनानी चिकित्सा पद्धति का पाठ्यक्रम भी वही है इसलिए उन्हीं पुस्तकों का यहां उपयोग किया जाएगा बता दें एमबीबीएस पाठ्यक्रम की पुस्तकें, पढ़ाई और परीक्षा हिंदी में करवाने की पहल भी मध्य प्रदेश में ही हुई थी।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर में किए दर्शन

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा दौरे के तीसरे दिन बुधवार को पुरी स्थित 12वीं शताब्दी के प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर में दर्शन कर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया इससे पूर्व उन्होंने पारंपरिक पितृ कर्म भी संपन्न किए पुरी पहुंचने पर राष्ट्रपति ने सबसे पहले श्वेतगंगा में पंडिदान किया जो पितृ अनुष्ठानों से जुड़ा एक पवित्र स्थल है इसके बाद वह श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचीं और भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए मंदिर दर्शन के दौरान ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभरपट्टि और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी राष्ट्रपति के साथ मौजूद रहे दर्शन के उपरंत श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन की ओर से राष्ट्रपति को खंडुआ रेशमी वस्त्र और ओडिशा की पारंपरिक कला पट्टचित्र भेंट किया गया।

संसद के बजट सत्र का छठा दिन

गोयल बोले- अमेरिका से डील ऐतिहासिक:भारत के कृषि और खाद्य क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद के बजट सत्र का बुधवार को छठा दिन है वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में अमेरिका से टैरिफ डील पर बयान दिया उन्होंने कहा कि डील ऐतिहासिक है भारत के कृषि और खाद्य क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है यह डील भारत के विकास में बेहद फायदेमंद होगी गोयल के भाषण के दौरान विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे विपक्ष ने L.P (राहुल गांधी) को बोलने दो' नरेंद्र मोदी-सरेंडर



मोदी और 'डरता है डरता है नरेंद्र मोदी डरता है' के नारे लगाए विपक्ष के हंगामे पर

लोकसभा को दोपह 2 बजे तक स्थगित किय गया इससे पहले लोकसभा ने निर्लंबित विपक्ष के

‘गेम नहीं छोड़ पाएंगे’:गाजियाबाद में तीन सगी बहनों की आत्महत्या, सुसाइड नोट से खुलासा

उम्र 12-14-16 साल; सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी ममी-पापा

गाजियाबाद,एजेंसी। गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात 2 बजे तीनों ने कमरे को अंदर से बंद किया, फिर स्टूल रखकर एक-एक करके बालकनी से छलांग लगा दी उनकी उम्र करीब 12, 14 और 16 साल है। पिता के मुताबिक, तीनों बेटियों को टास्क-बेस्ड कोरियन लव गेम की लत थी वे हर वक्त एकसाथ रहती थीं एक साथ नहाती थीं और टॉयलेट जाती थीं। इस कदर गेम की लत थी कि स्कूल भी छोड़ दिया था मीडिया रिपोर्ट्स में दावा है कि पिता ने उन्हें गेम खेलने से मना किया और फटकार लगाई इसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया तीनों बहनें जिस कमरे में सोती थीं, वहां पुलिस को एक डायरी मिली है इसके 18 पन्नों में सुसाइड नोट लिखा मिला पुलिस का दावा है कि नोट में लिखा है- 'मम्मी-पापा सॉरी... गेम नहीं छोड़ पा रही हूं अब आपको प्हसास होगा कि हम गेम से कितना प्यार करते थे, जिसको आप छुड़वाना चाहते थे 'घटना भारत सिटी बी-1 टॉवर के फ्लैट नंबर 907 की है एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर आलोक प्रियदर्शी ने बताया- अभी तक की जांच में सामने आया है कि तीनों ने आत्महत्या की है तीनों मोबाइल से गेम खेलती थीं किन



परिस्थितियों में आत्महत्या की गई, इसकी जांच की जा रही है पिता ने दो शायियां कीं, शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं : तीनों बच्चियों के

नाम निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) हैं पिता चेतन ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं वह मूल रूप से दिल्ली के



खजूरी का रहने वाल है पोरवार म पत्नी, 7 साल का बेटा और चार बच्चियां थीं साथ में साली भी रहती है चेतन ने दो शायियां की हैं

पहली पत्नी से बच्चे नहीं होने पर उन्होंने उसकी बहन यानी साली से दूसरी शादी की दूसरी पत्नी से निशिका और प्राची का जन्म हुआ इसके बाद पहली पत्नी से भी एक बेटी पैदा हुई इसके अलावा दूसरी पत्नी से एक बेटी और एक बेटा भी हैं जिस फ्लैट में परिवार रहता है उसमें तीन कमरे और एक हॉल है घटना के वक्त चेतन दोनों पत्नियों के साथ एक कमरे में सो रहे थे साली, 3 साल की बेटी और 7 साल का बेटा भी उसी कमरे में थे।

बुजुर्ग और युवा ही नहीं नवजात को भी अपनी गिरफ्त में ले रहा कैंसर, जलवायु परिवर्तन सब पर भारी

नई दिल्ली ,एजेंसी। जलवायु परिवर्तन के चलते अब नवजात शिशु भी कैंसर की चपेट में आ रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि डॉक्टरों को मात्र तीन से छह महीने के छोटे-छोटे शिशुओं में भी इसके लक्षण दिख रहे हैं इंडियन कैंसर सोसायटी की ने अपने हालिया शोध में इसका खुलासा किया है कैंसर के कुल मामलों में लगभग 4 फीसदी हिस्सा बच्चों का है इसकी तफ्तीश एम्स समेत कई बड़े अस्पताल के आंकड़े करते हैं कई शोध के अनुसार, देश में हर साल करीब 50,000 से 75,000 नए बच्चे कैंसर के शिकार होते हैं, जिसमें उनकी उम्र 0-14 साल की होती है दुनिया भर में हर साल 2 लाख से ज्यादा बच्चे कैंसर से प्रभावित होते हैं देश में ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर), सबसे आम है, उसके बाद लिम्फोमा,



ब्रेन ट्यूमर, न्यूरोब्लास्टोमा, रेटिनोब्लास्टोमा और सारकोमा (हड्डी या सॉफ्ट टिशू कैंसर) आते हैं शोध के अनुसार, विकसित देशों में 80 से 90 फीसदी बच्चे ठीक हो जाते हैं, जबकि भारत में यह दर 30-60 फीसदी के बीच है लेकिन समय पर इलाज से बहुत सुधार हो सकता है इसका कारण ज्यादातर मामलों में संकेत पता नहीं चलना है ऐसे में केवल 5 प्रतिशत मामलों में यह जीन से माता-पिता से आता है वयस्कों की

तरह धूम्रपान या जीवनशैली का असर बच्चों में कम होता है। कुछ मामलों में रेडिएशन या माता-पिता के संपर्क में आने वाले कुछ कारक जोखिम बढ़ा सकते हैं बच्चों में कैंसर के मुख्य लक्षण क्या है : डॉक्टरों के अनुसार, बच्चों में कैंसर वयस्कों से अलग प्रकार का होता है और यह अचानक बिना शुरुआती लक्षणों के आ सकता है हालांकि, बच्चों में कैंसर का इलाज वयस्कों की तुलना में बेहतर होता है ज्यादातर मामले ठीक हो जाते हैं खासकर अगर शुरुआत में ही पता चल जाए इसके अलावा कई मामलों में प्रमुख लक्षण लगातार बुखार, थकान, कमजोरी या खासकर ल्यूकेमिया में वजन घटना हड्डी या जोड़ों में दर्द सिरदर्द, चक्कर आना, संतुलन बिगड़ना ब्रेन ट्यूमर का संकेत में उल्टी या आँख, कान व बोलने

में समस्या गर्दन, बगल या कमर में सूजी हुई ग्रंथियां, रात में पसीना आना शामिल है। इसके अलावा, लिम्फोमा कैंसर में आँख में बदलाव जैसे उभरी हुई आँख, काले घेरे, ढीली पलकें या चलने में दिक्कत होती है महिला में स्तन और पुरुषों में लंग कैंसर का बढ़ रहा प्रकोप : एक आम धारणा है कि महिलाओं में कैंसर ज्यादा घातक होता है और उनमें मौतें ज्यादा होती हैं, लेकिन वैश्विक आंकड़े बताते हैं कि ऐसा नहीं है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और ग्लोबोकॉन के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कैंसर से होने वाली मौतों की दर पुरुषों में महिलाओं की तुलना में ज्यादा है दुनिया भर में कैंसर से मरने वाले हर 9 पुरुषों के मुकाबले सिर्फ 12 महिलाएं मरती हैं। पुरुषों में फेफड़े का कैंसर सबसे ज्यादा जान लेता है

हालांकि, महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे आम और मौत का बड़ा कारण है पुरुषों की कैंसर मौत दर महिलाओं से करीब 30-40 फीसदी ज्यादा रहती है हालांकि, 50 साल से कम उम्र की महिलाओं में कैंसर के नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और कुछ उम्र समूहों में अब महिलाओं में पुरुषों से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं डॉक्टर बोले, समय पर इलाज से ठीक हो जाता है ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. नितेश रोहतगी ने बताया कि शुरुआत में पता चलने से इलाज आसान और कम तीव्र होता है दवाओं के साइड इफेक्ट कम होते हैं और बच्चे की संभावना ज्यादा बढ़ जाती है इसके अलावा खर्च भी कम होता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर रहती है उन्होंने बताया कि इलाज में देरी से बालों का झड़ना, मुंह में छाले, थकान, एनीमिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

पहाड़ों पर बर्फ और मैदानों में बारिश-बिजली जारी, शीत लहर भी तारी

नई दिल्ली ,एजेंसी। उत्तर से दक्षिण तक देश का मौसम इन दिनों कई रंग दिखा रहा है कहीं बारिश और बर्फबारी से ठंड का असर तेज हो गया तो कहीं शीतलहर और घने कोहरे ने जनजीवन को थाम लिया है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण उत्तर भारत में मौसम लगातार अस्थिर बना हुआ है, जबकि दक्षिणी समुद्री क्षेत्रों में तेज हवाओं ने मछुआरों की नित्ता बढ़ा दी है मौसम विभाग के ताजा अनुमान के मुताबिक यह बदलाव फिलहाल कुछ दिनों तक बना रह सकता है अगले 7 दिनों के दौरान तीन पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकते हैं मौसम विभाग के अनुसार तीन फरवरी से एक पश्चिमी विक्षोभ पंजाब और हरियाणा के ऊपर चक्रवाती



परिसंचरण के रूप में सक्रिय है इसके साथ ही ऊपरी वायुमंडल में एक ट्रफ भी प्रभावी बना हुआ है पांच फरवरी की रात से एक और नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय को प्रभावित कर सकता है इन मौसमी प्रणालियों के संयुक्त असर से उत्तर भारत में कहीं हल्की बारिश, कहीं बर्फबारी, तो कहीं घना कोहरा

देखने को मिल रहा है उत्तराखंड में तीन फरवरी से मौसम फिर करवट लेता दिख रहा है 2,500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है गंगोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ में ताजी बर्फ गिरने के आसार हैं मैदानी राज्यों में गरज-चमक और तेज हवाएं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के

उन्हें शारीरिक रूप से दिक़्त होती है, बलूच बागियों के सामने बेबस पाक सेना; ख्वाजा आसिफ ने बताई वजह



इस्लामाबाद , एजेंसी। बलूचिस्तान में बीएलए के लड़कें पाकिस्तानी सेना पर कहर बनकर टूट रहे हैं और पाक आर्मी उनके सामने बेबस नज़ आ रही है अब रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इस बात को माना है कि उनकी सेना इन लड़कों के सामने कमजोर पड़ गई है उनकी यह टिप्पणी बलूच विद्रोहियों द्वारा इस अशांत प्रांत के कई शहरों में एक साथ हमले करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें कम से कम 80 सुरक्षाकर्मी मारे गए और 30 से ज्यादा सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया ख्वाजा

आसिफ ने क्या कहा उन्होंने कहा, भौगोलिक रूप से बलूचिस्तान पाकिस्तान का 40 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा है... इसे कंट्रोल करना किसी आबादी वाले शहर से कहीं ज्यादा मुश्किल है और इसके लिए बड़ी संख्या में सेना की तैनाती की जरूरत होती है हमारे सैनिक वहां तैनात हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं लेकिन इतने बड़े इलाके की रखवाली और पेट्रोलिंग करने में उन्हें शारीरिक रूप से दिक़्त होती है बीएलए से बातचीत करने से इनकार : ख्वाजा आसिफ ने खागी रूप बलूच लिबरेशन आर्मी से

बातचीत से इनकार कर दिया है उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों सहित आम नागरिकों को मारने वाले आतंकवादियों के साथ कोई बातचीत नहीं होगी उन्होंने दावा किया कि अपराधियों और अलगाववादी ग्रुपों के बीच सांंगाठ है, जिसमें आपराधिक गैंग बीएलए के बैनर तले काम कर रहे हैं आसिफ ने कहा, बलूचिस्तान में कबायली बुजुर्गों, नौकरशाही और अलगाववादी आंदोलन चलाने वालों ने एक गठजोड़ बना लिया है उन्होंने दावा किया कि पहले तत्क़र तेल की तस्क़री से हर दिन 4 अरब पाकिस्तानी रुपये तक कमाते थे पाक सेना पर कहर बनकर टूटे बलूच बागी बलूच बागियों ने कम से कम 12 जगहों पर एक साथ हमले किए, जिससे हाल के सालों में सबसे गंभीर सुरक्षा संकटों में से एक पैदा हो गया। अधिकारियों ने कहा है कि पूरे प्रांत में बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियानों में कम से कम 177 विद्रोहियों को मार गिराया गया।

इटली की चर्च में फरिश्ते की तस्वीर में लगा मेलोनी का फोटो भड़के लोग; मुसोलिनी से जुड़ा कनेक्शन

रोम , एजेंसी। रोम के एक गिरजाघर में स्थापित चेरुब (फरिश्ते जैसा बच्चा) की तस्वीर को लेकर हंगामा खड़ा हो गया है इस विवाद की वजह है कि चेरुब की तस्वीर इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की शक़ल से मेल खाती है इतालवी समाचार पत्रों ने मेलोनी जैसी दिखने वाली इस चेरुब(जिसे देवदूत माना जाता है) की तस्वीरें प्रकाशित की है। इसपर जनता ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। यह मामला इतना बढ़ा हो गया कि रोम का डियोसीज और इटली की संस्कृति मंत्रालय ने जांच शुरू कर दी है लोग इसे राजनीतिक संदेश मान रहे हैं, क्योंकि चेरुब राजा के सामने झुकता हुआ दिख रहा है यह सब 2000 में बने एक चैपल की रेनोवेशन से शुरू हुआ



वहां इटली के आखिरी राजा उम्बर्टो संकेड की मूर्ति है जिसके साथ दो फरिश्ते बने हैं। एक फरिश्ता इटली का नक्शा पकड़े राजा के सामने घुटनों पर है हाल में 2023 से शुरू हुई पानी की रिसाव की वजह से मरम्मत हुई लेकिन रेस्टोरेशन के बाद इस चेरुब का चेहरा बदल गया और अब यह मेलोनी जैसा लगता है

क्यों हंगामा है बरपा : इतालवी अखबारों ने पहले और बाद की तस्वीरें छापीं है इससे विवाद भड़क उठा संस्कृति मंत्रालय के मंत्री अलेसांद्रो गिउली ने जांच का आदेश दिया कि क्या रेस्टोरर ने जानबूझकर मेलोनी का चेहरा बनाया रोम के डियोसीज ने भी कहा कि 2000 के मूल तस्वीर में ऐसा चेहरा नहीं था रेस्टोरेशन में

चेरुब के चेहरे को बदलना बिना इजाजत किया गया काम था अब पुराने दस्तावेज और फोटो देखकर पता लगाया जा रहा है कि पहले यह कैसा दिखता था। चर्च अब पर्यटकों और लोगों से भरा रहता है क्योंकि लोग मेलोनी की शक़ल से मिलते चेरुब को देखने आ रहे हैं लोगों ने इसे मेलोनी चैपल नाम दे दिया है कुछ इसे मजाकिया मान रहे हैं, तो कुछ राजनीतिक साजिश कह रहे हैं मेलोनी का मजाकिया जवाब : प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, नहीं, मैं बिल्कुल फरिश्ते जैसी नहीं दिखती उनका यह जवाब काफी वायरल हुआ मेलोनी की दक्षिणपंथी पार्टी की जड़ें नो-फासिस्ट पार्टी में हैं।

बाल अश्लीलता और डीपफेक जांच ते फ़्रांस में ‘एक्य’ के कार्यालयों पर छापेमारी



पूछताछ के लिए अनुरोध किया है, जिसके लिए 20 अप्रैल की तारीख निर्धारित है। इस संबंध में एक्स के एक प्रवक्ता ने टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध पर तुरंत जवाब नहीं दिया पेरिस अभियोजक कार्यालय ने एक्स पर छापेमारी की पुष्टि की इसने कहा कि वह इस मंच को छोड़ रहा है और फॉलोअर्स से भी अपील है कि वे किसी दूसरे सोशल मीडिया मंच से जुड़ें अभियोजकों ने एक बयान में कहा इस चरण में, जांच एक

सकारात्मक सोच पर आधारित है जिसका मकसद यह पक्का करना है कि एक्स फ्रांसीसी कानून का पालन करे क्योंकि यह देश की सीमा के अंदर काम करता है यह जांच सबसे पहले एक फ्रांसीसी सांसद की रिपोर्ट के बाद शुरू की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक्स पर मौजूद पक्षपातपूर्ण एल्गोरिदम द्वारा एक ऑटोमेटेड डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम के कामकाज को प्रभावित किए जाने की संभावना है।

पाकिस्तान में 11 साल का बच्चा अचानक लापता



इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रावलपिंडी जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पिता ने अपने 11 वर्षीय बेटे के लापता होने के पीछे जिन्न (अलौकिक शक्तियां) का हाथ बताते हुए पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना टैक्सिला थाना क्षेत्र की है। बच्चा 21 जनवरी को घर से अचानक

लापता हो गया था करीब 10 दिन तक उसका कोई सुराग न मिलने के बाद पिता ने पुलिस से शिकायत की FIR में पिता ने दावा किया है कि जिन्न उनके बेटे को जबरदस्ती अपने साथ ले गए हैं उनका कहना है कि यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी कथित तौर पर जिन्न कई बार बच्चे को ले जा चुके हैं हालांकि हर बार कुछ समय बाद वह वापस लौट आया था।

रिसर्च डे पर इलाज की नई परिभाषा: एम्स ने जोड़ दिए दो महाद्वीप, अंटार्कटिका में बैठे मरीज का किया अल्ट्रासाउंड



नई दिल्ली ,एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है एम्स रिसर्च डे 2026 के मौके पर प्रोफेसर डॉ. चंद्रशेखर एसएच ने दिल्ली में बैठकर अंटार्कटिका में मौजूद भारतीय रिसर्च स्टेशन (मैत्री) पर एक मरीज का रीयल-टाइम अल्ट्रासाउंड किया यह दुनिया की सबसे लंबी दूरी (लगभग 12,000-14,000 किलोमीटर) पर किया गया टेली-रोबोटिक अल्ट्रासाउंड है। यह चिकित्सा क्षेत्र में किया गया नया अध्याय है प्रो. डॉ. चंद्रशेखर एसएच ने बताया कि इस तकनीक में दिल्ली में बैठे डॉक्टर एक हाईटेक हैट्रिक डिवाइस (जो हाथ की हरकत महसूस कराती है) का इस्तेमाल करते हैं उनकी हर मूवमेंट अंटार्कटिका में लगे रोबोटिक आर्म को तुरंत पहुंचती है जो अल्ट्रासाउंड प्रोब को पकड़े हुए होता है प्रोब मरीज के शरीर पर सही जगह रखकर स्कैन करता है और उच्च गुणवत्ता वाली इमेजेस रीयल-टाइम में दिल्ली वापस आती हैं डॉक्टर पेट की जांच, ट्यूमा के लिए जल्दी स्कैन दिल की इकोकार्डियोग्राफी, डॉप्लर, गर्दन और अन्य महत्वपूर्ण जांच आसानी से कर पाते हैं इसकी प्रक्रिया बिल्कुल वैसी है जैसे मरीज के सामने खड़े होकर कर रहा हों इस तकनीक से दुनिया के सबसे दूर-दराज तक पहुंच संभव अंटार्कटिका में भारतीय स्टेशन पर काम करने वाले वैज्ञानिकों और सदस्यों के लिए मेडिकल सुविधाएं बहुत सीमित होती हैं वहां 50 डिग्री से भी कम तापमान, पूर्ण अलग-थलग स्थिति और इमरजेंसी में तुरंत फैसला लेना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है अगर अचानक चोट, पेट दर्द, सीने में दिक्कत या आंतरिक कटिना जैसी समस्या हो तो सही निदान के बिना समय बर्बाद हो सकता है और जान जा सकती है डॉ. विकास डोगरा ने अंटार्कटिका में भारतीय अंटार्कटिक प्रोग्राम के साथ काम के अनुभव से इस समस्या को समझा और इस तकनीक को वहां लगाने का सुझाव दिया डॉ. आनंद कुमार सिंह और डॉ. प्रदीप मल्होत्रा के मार्गदर्शन व सपोर्ट से प्रोजेक्ट को सभी मंजूरियां मिलीं और इसे सुरक्षित व व्यावहारिक बनाया गया प्रोफेसर डॉ. चंद्रशेखर एसएच ने बताया कि यह भारत की तकनीक दुनिया के सबसे दूर-दराज और कठिन इलाकों तक एक्सपर्ट स्वास्थ्य सेवा पहुंचा सकती है यह तकनीक आपदा क्षेत्रों (जैसे भूकंप, बाढ़), दूरदराज के गांवों, ऊंचे पहाड़ी इलाकों, समुद्र में तेल रिसस, जहाजों और यहां तक कि युद्ध क्षेत्रों में भी इस्तेमाल हो सकती है।

एम्स, आईआईटी सहित अन्य संस्थानों ने किया आभिव्यक्ति:यह रोबोटिक आर्म एम्स, आईआईटी दिल्ली, इंडियन हेल्थकेयर फाउंडेशन फॉर क्रिएटिविटी (आईएचएफसी), नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च (एनसीपीओआर) और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल (आरजीएसएसएच) के संयुक्त प्रयास से तैयार किया गया है आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर सुबीर कुमार साहा ने इसकी सटीकता मजबूती और दूर से भरोसेमंद काम करने की क्षमता विकसित करने में अहम भूमिका निभाई युवा रिसर्चर्स उदयन बनर्जी और सिद्धार्थ गुप्ता ने सिस्टम की इंस्टॉलेशन टेक्निकल सेटअप और ग्राउंडवर्क में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्लेन क्रैश में मौत से पहले अजित पवार



ने आखिरी फोन कॉल पर क्या कहा था एनसीपी ने जारी किया ऑडियो

पुणे , एजेंसी।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने पिछले हफ्ते प्लेन क्रैश में मौत से पहले अजित पवार की आखिरी फोन बातचीत का ऑडियो जारी किया है अजित पवार ने मुंबई से बारामती के लिए उड़ान भरने से पहले पार्टी के सदस्य श्रीजीत पवार से बात की थी अपनी आखिरी बातचीत में अजित पवार ने एकता और समानता का संदेश दिया जिसमें सभी धर्मों और जातियों को साथ लेकर चलने की जरूरत पर जोर दिया गया उस कॉल के बारे में बताते हुए श्रीजीत पवार ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति में प्यार से दादा कहें जाने वाले अजित पवार को एक मैसैज भेजा था और जैसे ही वह नेटवर्क कवरेज एरिया में आए उन्होंने उन्हें फोन किया **मैंने मैसैज किया तो अजित दादा ने किया फोन :** उन्होंने बताया, अजित दादा और मैं एक ही गांव के हैं मैंने उन्हें एक खास मामले में मैसैज भेजा था। नेटवर्क मिलते ही उन्होंने मुझे कॉल किया उन्होंने कहा कि हम सभी जातियों और धर्मों को साथ लेकर चल रहे हैं क्यों जारी किया गया ऑडियो ऑडियो को पब्लिक करने की वजह यह है कि पवार के पास एक मैसैज था जो पार्टी का मानना ​​है कि जनता तक पहुंचना चाहिए श्रीजीत पवार ने कहा, यह इस ऑडियो कॉल रिकॉर्डिंग को सभी के ध्यान में लाने की कोशिश है ताकि महाराष्ट्र को पता चल सके कि अजीत दादा के आखिरी सांस तक क्या विचार थे।

पुणे में बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां को कार ने मारी टक्कर, ड्राइवर फरार

पुणे , एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां का पुणे में एक्सीडेंट हो गया है इस हादसे में वह घायल हो गई इस घटना को लेकर शहजाद पूनावाला ने दावा किया है कि उनकी मां को जानबूझकर टक्कर मारा गया है इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की अपील की है।

नोएडा की 6 सोसाइटियां एसटीपी की जांच में फेल, प्राधिकरण ने नुर्माना लगाने को लिखा पत्र

नोएडा, एजेंसी। नोएडा सेक्टर-150 में कई सोसाइटियों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) काम नहीं कर रहे।

विधायक रीती पाठक ने किया 250 लाख के स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास, सिरसी को मिलेगा आधुनिक इलाज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम पंचायत सिरसी में 250 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 06- विस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन के उन्नयन एवं निर्माण कार्य का शिलान्यास समारोह बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रीती पाठक उपस्थित रहें, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रीती पाठक ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाना उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास सबका प्रयास’ के मंत्र को आत्मसात करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा आमजन तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के

नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर नए अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और विशेषज्ञ सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने इस अवसर पर सिरसी में बनने वाले 06-विस्तरीय प्राथमिक

स्वास्थ्य केंद्र भवन की महत्ता को बताते हुए कहा कि इससे स्थानीय ग्रामीणों को समय पर उपचार मिलेगा और गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों तथा गंभीर मरीजों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधा मुलभ होगी। विधायक ने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य यह है कि

किसी भी ग्रामीण को इलाज के लिए अनावश्यक रूप से दूर शहरों का रुख न करना पड़े, बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल और रोजगार जैसे मूलभूत क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात की जिससे ग्रामीण जीवन स्तर में निरंतर सुधार हो रहा है। अंत में विधायक ने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि वे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें स्वच्छता एवं पोषण के प्रति जागरूक रहें और शासन की जुनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़कर अपने परिवार और समाज को स्वस्थ एवं सशक्त बनाएं। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा के लिए उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहर के झूला पुल तालाब में बुधवार सुबह अचानक हजारों मछलियां मरी मिलीं सभी पानी की सतह पर तैर रही थीं तालाब से आ रही भीषण दुर्गंध से आसपास के दुकानदारों और राहगीर परेशान हो रहे है मामले में प्रशासन ने जांच की बात कही है तालाब के पास रहने वाले लोगों का आरोप है कि चौपाटी पर लगने वाले टेलों और बिरयानी सेंटरों का गंदा पानी और कचरा सीधे तालाब में बहाया जा रहा है। कई बार नगर पालिका से इसकी शिकायत की गई लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई इसी कचरे और रसायनों के कारण पानी में ऑक्सीजन की कमी हो गई, जिससे मछलियों का दम घुट गया लोगों ने बताया कि कुछ समय पहले ही नगर पालिका ने इस तालाब के जीर्णोद्धार और सफाई पर काफी पैसा खर्च किया था



इसके बावजूद इतनी बड़ी संख्या में मछलियों का मरना नगर पालिका और मत्स्य विभाग की लापरवाही को उजागर करता है तालाब में फैले कचरे ने सौंदर्यीकरण के दावों की पोल खोल दी है घटना के बाद कुछ लोग इन मरी हुई मछलियों को अपने घर ले जाते देखे गए वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि दूषित पानी में मरी इन मछलियों को खाना जानलेवा हो सकता है इससे गंभीर फूड पॉयजनिंग और इन्फेक्शन का खतरा है प्रशासन

ने लोगों से अपील की है कि वे इन मछलियों का सेवन बिल्कुल न करें **जांच के आदेश, पानी के सैंपल लिए जाएंगे:** मामला में प्रशासन ने जांच की बात कही है अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही तालाब के पानी के सैंपल लिए जाएंगे ताकि यह पता चल सके कि पानी में कोई जहरीला पदार्थ तो नहीं मिलाया गया फिलहाल, नगर पालिका की टीम को तालाब की तत्काल सफाई करने और मरी हुई मछलियों को वहां से हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य बाजार में दिनभर ‘नो एंट्री’ मंदिर-तिराहों के 100 मीटर दायरे में ‘नो पार्किंग’ घोषित, आदेश हुआ लागू

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली नगर में बढ़ती जाम की समस्या और आमजन की असुविधा को देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्त फैसला लिया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के आदेश पर मझौली नगर परिषद क्षेत्र के मुख्य बाजार में बुधवार से सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है इसके साथ ही प्रमुख मंदिरों, तिराहों और चौराहों के 100 मीटर के दायरे को नो पार्किंग जोन घोषित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह



निर्णय उपखंड मजिस्ट्रेट मझौली की रिपोर्ट, नगर परिषद मझौली के प्रस्ताव और थाना प्रभारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है रिपोर्ट में बताया गया था कि मुख्य बाजार क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण

लगातार जाम लगता है, जिससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, मरीजों और व्यापारियों को परेशानी होती है कलेक्टर ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 और मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के नियम 215 के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग करते

हुए यह आदेश जारी किया है आदेश के तहत राम मंदिर तिराहा मझौली बस स्टैंड मार्ग प्रमुख बाजार मार्गों और व्यस्त चौगहों पर 100 मीटर के दायरे में वाहन खड़े करने पर रोक रहेगी सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 और मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी पुलिस और नगर परिषद की संयुक्त टीम को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

अवैध मकान को जमींदोज किया :हाईकोर्ट के आदेश पर प्रशासन ने बुलडोजर चलवाया, रास्ते पर किया था निर्माण

मीडिया ऑडीटर, सिंगरोली (निप्र)। जिले के सरई तहसील अंतर्गत महुआ गांव में प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश पर सार्वजनिक रास्ते की जमीन पर बनाए गए एक अवैध मकान को बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया नायब तहसीलदार अमित मिश्रा ने बताया कि जिस जमीन पर मकान बनाया गया था, वह सरकारी रिकॉर्ड में सार्वजनिक रास्ते के रूप में दर्ज है प्रशासन ने कार्रवाई से पहले अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए थे और मुनादी (घोषणा) करारक खुद कब्जा हटाने का मौका भी दिया था लेकिन इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटया गया भारी



पुलिस बल के बीच चला बुलडोजर तय समय सीमा बीतने के बाद, राजस्व विभाग की टीम और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। किसी भी विरोध या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पहले से मुस्तैद थी आगे भी जारी

रहेगी कार्रवाई प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है नायब तहसीलदार ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ आने वाले दिनों में भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

मिलेट्स मिशन: मोटे अनाज हैं पोषण का भण्डार, जिले में बढ़ावा देने के प्रयास तेज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। देशभर में संचालित मिलेट्स मिशन के अंतर्गत सीधी जिले में भी कृषि के विविधीकरण को बढ़ावा देते हुए मोटे अनाजों की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं विशेषज्ञों के अनुसार मोटे अनाज पोषण का समृद्ध स्रोत हैं। इनमें फ़हवर, प्रोटीन, विटामिन एवं विभिन्न खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं ये प्राकृतिक रूप से ग्लूटेन फ़्री होते हैं तथा आसानी से पचने वाले होते हैं जिससे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी माने जाते हैं। साथ ही परंपरागत खेती की विधियों से उगाए जाने के कारण ये मिट्टी के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण



संरक्षण में भी सहायक सिद्ध होते हैं विंध्य क्षेत्र सहित जिले में लगभग 50 वर्ष पूर्व तक मोटे अनाजों की बड़े पैमाने पर खेती होती थी और कौदा, ज्वार, मक्का जैसे अनाज मेहनतकश एवं ग्रामीण परिवारों के मुख्य भोजन का हिस्सा थे कम वर्षा में भी इनकी अच्छी पैदावार होती थी तथा इन्हें बिना किसी रसायन के कई वर्षों तक सुरक्षित भंडारित किया जा सकता था खेती के आधुनिकीकरण एवं अधिक उत्पादन के लिए रासायनिक खादों के बढ़ते उपयोग

के कारण समय के साथ मोटे अनाजों की खेती में कमी आई हालांकि इनकी पोषकता आज भी अन्य अनाजों की तुलना में अधिक मानी जाती हैइसी को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा मिलेट्स मिशन के माध्यम से मोटे अनाजों की खेती को पुनः बढ़ावा दिया जा रहा है योजना के अंतर्गत चावल एवं गेहूँ के कुल कृषि आच्छादन में लगभग 20 प्रतिशत की कमी कर उनके स्थान पर मोटे अनाजों की खेती को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गुरहर पहाड़ में 39.2 टन सोना निकालने की खदान लगाने से पहले जनसुनवाई



मीडिया ऑडीटर, सिंगरोली (निप्र)। गुरहर पहाड़ में प्रस्तावित सोने की खदान को लेकर बुधवार को सिलफोरी में जनसुनवाई हुई मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मौजूदगी में हुई इस बैठक में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने अपनी बातें रखीं मेसर्स कुंदन गोल्ड माईंस प्राइवेट लिमिटेड यहां 149 हेक्टेयर से ज्यादा इलाके में खनन की तैयारी में है अरबों के खजाने का अनुमान परियोजना के आंकड़ों के मुताबिक, इस खदान से हर साल करीब 0.13 मिलियन टन सोने का अयस्क निकालने की योजना

है अनुमान है कि यहां 35 सालों तक खनन चलेगा, जिससे कुल 39.2 टन सोना निकल सकता है मौजूदा बाजार भाव के हिसाब से इस सोने की कुल कीमत करीब 2 लाख 74 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा आंकी गई है ग्रामीणों ने जताई चिंता जनसुनवाई के दौरान इलाके के लोगों ने पर्यावरण, पानी के संकट और विस्थापन को लेकर अपनी शंकाएं जाहिर कीं ग्रामीणों का सबसे ज्यादा जोर रोजगार और जमीन के बदले मिलने वाली सुविधाओं पर रहा कंपनी ने भरोसा दिलाया है कि वे पर्यावरण के नियमों का पूरा पालन करेंगे।

कलेक्टर के निर्देश पर बोर्ड परीक्षा 2026 की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय बैठक व प्रशिक्षण आयोजित सीईओ जिला पंचायत ने दिए सेंट निर्देश - परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सोलंकी की अध्यक्षता में बोर्ड परीक्षा 2026 के सफल एवं सुचारु संचालन को लेकर क्रमांक-2 सीधी में जिले के सभी 66 परीक्षा केंद्रों के केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष की जिला स्तरीय बैठक एवं प्रशिक्षण आयोजित किया गया बैठक में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल के दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई इसमें परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व की तैयारियां, परीक्षा संचालन के दौरान किए



जाने वाले महत्वपूर्ण कार्य, परीक्षा समाप्ति के बाद की प्रक्रियाएं, केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष के अधिकार

एवं कर्तव्य, कलेक्टर प्रतिनिधि हेतु ट्रैकिंग मोबाइल ऐप के उपयोग, प्रश्न पत्रों की सुरक्षा एवं परिवहन व्यवस्था, परीक्षा

केंद्रों की व्यवस्थाएं, बैठक एवं पर्यवेक्षक व्यवस्था, परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र की जांच एवं भवन में प्रवेश प्रक्रिया सहित



अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया इसके अतिरिक्त पुलिस थाने से प्रश्न पत्र के लिफाफे प्राप्त करने

की प्रक्रिया, दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए लेखक उपलब्ध कराने की व्यवस्था, वित्तीय प्रबंधन एवं परीक्षा से संबंधित अन्य आवश्यक निर्देशों से भी सभी प्राचार्यों को अवगत कराया गया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सोलंकी ने निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन बनाए रखने अव्यवस्था की स्थिति से बचने एवं किसी भी प्रकार के नकल प्रकरण को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

दो माह के भालू की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या: मादा ने हमला किया, भीड़ ने बेजुबान शावक पर उतारा गुस्सा



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जयसिंहनगर वन परिक्षेत्र में एक भालू के शावक की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई यह घटना तब उजागर हुई जब हाल ही में हुई बाघों की मौत को लेकर मीडिया ने वन विभाग से जवाब मांगा वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार यह पूरी घटना 28 जनवरी की है कोटिगढ़ के जंगलों में मवेशी चरा रहे एक चरवाहे पर मादा भालू ने हमला कर उसे घायल कर दिया था। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी रोष था जब घायल चरवाहे को अस्पताल भेजा गया उसके बाद बड़ी संख्या में

ग्रामीण लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी लेकर भालू को खोजने और उसे सबक सिखाने के लिए जंगल की ओर निकल पड़े जंगल की तलाश के दौरान ग्रामीणों को मादा भालू तो नहीं मिली लेकिन उसका लगभग दो महीने का नन्हा शावक दिखाई दे गया आरोप है कि भीड़ में शामिल एक सनकी व्यक्ति ने हाथ में ली कुल्हाड़ी से उस मासूम शावक पर जोरदार हमला कर दिया वार इतना घातक था कि नन्हे शावक ने मौके पर ही तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया जानकारी के अनुसार घटना 28 जनवरी की है लेकिन वन विभाग ने इसे दबाए रखा।

असामान्य विीय हालात

जिस वित्तायोग के सहारे पंतीय धर्मानियों को आर्थिक आक्सीजन मिलता था, उसके विरुद्ध केंद्र सरकार ने एमलन करके हिमाचल को नाखुन चबाने की स्थिति में ला खड़ा किया है। पंदरवें वित्तायोग ने पांच सालों में 49 हजार करोड़ की मदद, रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट यानी आरडीजी के रूप में दी, उसे पूरी तरह खत्म कर गया गया है। अगर केंद्र हिमाचल जैसे छोटे व पंतीय राज्यों को वित्तीय अनुशासन सिखाना चाहता है, तो मिलकीयत में मिले

अधिकारों की पहचान जरूरी है। बेशक आत्मनिर्भर होने के रास्ते हैं, लेकिन उसके लिए हिमाचल के अधिकारों से पर्दा हटाया चाहिए। यह जल, जंगल और जमीन की लड़ाई है, जिसका मोल-तोल होना चाहिए। बेशक राज्य की आर्थिक स्थिति व केंद्र से मिले झूटके पर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई है, लेकिन इसे लेकर सर्वदलीय बैठक भी आहूत करनी होगी। दूसरी हिमाचली अधिकारों का है, तो वे भी मसला दिया करना होगा जब बतौर

मुख्यमंत्री शांता कुमार केंद्र में तत्कालीन कांग्रेस सरकार से मुफ्त बिजली की रॉयल्टी ले आए थे या प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व में केंद्र की सरकार बिहारी वाजपेयी सरकार ने औद्योगिक पैकेज देकर प्रदेश की उत्पादन क्षमता को ताकत दी थी। इसी संदर्भ में कनेक्टिविटी, रेल या पर्यटन विकास पैकेज

को अपेक्षा केंद्र से रही है। विडंबना यह है कि मैदानी प्रदेशों को सिंचाई परियोजनाओं के लिए केंद्र के भंडार भरे नजर आते हैं, लेकिन पौग, गोविंद सागर व अन्य जलाशयों एवं विद्युत परियोजनाओं से हिमाचल को आज भी ठेगा मिल रहा है। न विस्थापितों का रुढ़ पॉज गया और न ही केंद्र के सार्वजनिक

उत्क्रमों में इस्तेमाल होता पानी हमारे लिए आर्थिक सबल बना। ऐसे में वाटर सैस जैसे स्वावलंबी कदम को रोक के बैठी केंद्र सरकार आधिरों को लाल करा रही है। राज्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने वाले राज्य को केंद्रीय बजट के आबंटन तथा वित्तीय आयोग की सिफारिशों में केवल शून्यता ही मिलेगी। अधिकार को पंजाब पुनर्गठन के भी सड़ रहे हैं और शानन विद्युत परियोजना की भित्तकीयत में भी अपमान कर रहे हैं, तो फिर इंसाफ का

राष्ट्रीय चरित्र है क्या। पहले पहाड़ी लोग सेना भर्ती के अगुआ होते थे, लेकिन अब कोंटे में सामर्थ्य गायब है, लिहाजा शहादत के परिंदों का आकाश छोट्टा करके देखा जा रहा है। बहरालाहा प्रदेश के लिए वित्तीय संदेश मातमना कर तो समझे नहीं जा सकते। जिम्मेदारी का एक फलक अगर हमारे राज्यसभा तथा लोकसभा पहुंचे भाजपा सांसदों का है, तो दूसरी ओर सीमाह राज्य सरकार के मंतव्यों और नीतियों की ओर भी है।

एक अधूरी लड़ाई को अंजाम तक ले जाने की जरूरत

डॉ योगेन्द्र

उंड उतर रही है, लेकिन अभी तक आम में मंजर नहीं आये। मंजर यानी सुजना प्रकृति रचती रहती है। मनुष्य को वर ठिकाना देती है थोड़ा सिखाती भी है, दुत्कारती भी है। वह कहती है कि रचना में ही जीवन है। मनुष्य बार बार विध्वंस की ओर भागता है। यों तो हिन्दू समाज यों भी विस्फोटक है। जाति विस्फोट की एक बड़ी वजह है। जाति किसने बनाई, कब बनाई, इससे फायदा किसको हुआ और किसको हानि हुई, इसे बने रहना चाहिए या खत्म कर देना चाहिए आदि अनेक प्रश्न हमारे सामने हैं। लोग अक्सर इन प्रश्नों के उत्तर ढूँढ़ने में अपनी वस्तुनिष्ठता खो देते हैं। यूजीसी के निर्देशों पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा - 'हस्तक्षेप नहीं किया तो खतरनाक अस्मर समाज नबनेगा।' माफ कीजिएगा मुख्य न्यायाधीश महोदय, आपकी बात में क्या समाज बंटो हुआ नहीं है? क्या यूजीसी के इस निर्देश के पहले समाज में बल्ले बल्ले था? दरअसल हम आंखें बंद किए रहते हैं और दुर्घटना घटने का इंतजार करते रहते हैं। जातियां कायम रहेंगी, तो समाज बंटो हुआ रहेगा। मुख्य न्यायाधीश अगर सचमुच चाहते हैं कि समाज बंटो हुआ नहीं रहे तो जाति पर विचार करें। जाति सर्वश्रेष्ठता और जाति हीनता रहेगी तो समाज कभी शांत नहीं रहेगा। जाति मनुष्य को मनुष्य रहने नहीं देती। वह मनुष्य की सोच और विचार को बुरी तरह से प्रभावित करती है। महात्मा गांधी की हत्या एक वैचारिक संगठित गिरोह ने की। जिसका प्रतिनिधि नथूराम गोडसे था। आज भी कभी दबे और कभी प्रत्यक्ष रूप से इस वैचारिक परंपरा के लोग गोडसे का समर्थन करते हैं। गांधी की हत्या के पीछे की बड़ी वजह जाति ही थी? गांधी प्रारंभिक दिनों में वर्ण-व्यवस्था के समर्थक थे और अस्पृश्यता के खिलाफ। उन्होंने लगातार अस्पृश्यता के खिलाफ आंदोलन चलाया। डॉ अम्बेडकर मानते थे कि अस्पृश्यता की जड़ जाति में है। जाति कायम रहेगी तो अस्पृश्यता भी किसी न किसी रूप में कायम रहेगी। डॉ अम्बेडकर को जाति के तीखेपन का जितना अहसास था, गांधी को नहीं था। गांधी जाति की भयंकरता का अहसास धीरे-धीरे हुआ। अंतिम दिनों में वे जाति के खिलाफ हो गये थे। यहाँ तक कि वे उसी शदी में शामिल होते थे वर- वधू में से एक अछूत वर्ग से होता था। डॉ अम्बेडकर का मानना था कि जाति तभी टूटेगी, जब बेटी बंदी खत्म होगी। गांधी की हत्या 1948 में चले गए और डॉ अम्बेडकर 1956 में चले गए। इसी दौर में डा राममनोहर लोहिया आये। डॉ अम्बेडकर और डॉ लोहिया एक व्यापक मंच बनाने को सोच ही रहे थे कि डॉ अम्बेडकर चल बसे। उत्तर भारत की जाति- जड़ता के खिलाफ समाजवादियों ने आवाज बुलंद की। यह संघर्ष ठोस रूप ग्रहण करता, इसके पहले एक छोटी-सी बीमारी के इलाज के क्रम में डा लोहिया 1967 में गुजर गये। बीजेपी जातिवादी और संप्रसारवादी पार्टी है। उसके जेहन और उसके समर्थक संगठनों में जातिवादी विषाणु है? वह अपने स्वार्थ के लिए हिन्दू एकता की बात करती है, लेकिन जाति खत्म करने की बात नहीं करती। उसे एक ऐसा समाज चाहिए, जिसमें जाति की हीनता और सर्वोच्चता भी कायम रहे। आज एक ऐसे सामाजिक और राजनैतिक संघर्ष की जरूरत है जो महात्मा बुद्ध, महात्मा फुले, कबीर, पेरियार , गांधी, अम्बेडकर, राममनोहर लोहिया, कपूरी ठाकुर आदि के विचारों को आत्मसात करें और मनुष्य को केंद्र में रखे। जन्म के आधार पर सर्वश्रेष्ठता और निष्कृष्टता का निर्धारण कतई न हो। एक अधूरी लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने की सख्त जरूरत है।

भारत के सामाजिक विकास की यात्रा में महिलाओं की स्थिति हमेशा एक निर्णायक कसौटी रही है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने समाज के आधे हिस्से—महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया है। कोर्ट ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और सुरक्षित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

“

ललित गर्ग

मासिक धर्म स्वच्छता को गरिमा और स्वास्थ्य के साथ जोने के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया है। स्कूलों में साफ-सुथरे शौचालय और पानी की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। इस निर्णय को उद्देश्य पीरियड्स के कारण लड़कियों की पढ़ाई में होने वाली बाधा को रोकना और उन्हें शर्मिंदगी से बचना है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं और विशेषकर स्कूल लड़कियों को माहवारी से जुड़ी समस्या पर दिया गया ऐतिहासिक निर्णय, एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है। कानूतिक सरकार ने सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र की महिला समर्पणियों के लिए 12 दिन का सवेनत पीरियड लीव नीति को भी मंजूर दी है। यह फैसला स्कूलों में मासिक धर्म प्रबन्धन की कमी को दूर करने और छात्राओं के सम्मानजनक शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम है। स्कूलों में अनिवार्य रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराना का निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेनना को झकझोरने वाला संदेश है कि अब माहवारी जैसे विषय को चुप्पी, लज्जा और अज्ञान के अधरे में नहीं छोड़ा जा सकता।

विडंबना यह है कि जिस माहवारी को प्रकृति ने जीवन-चक्र का अनिवार्य और स्वस्थ हिस्सा बनाया है, उसे हमारे समाज ने सदियों से अपवित्रता, अशुद्धता और वर्जना से जूझा दिया। परिणामस्वरूप, करोड़ों महिलाएँ किशोरियों न केवल शारीरिक चक्र डोलती हैं, बल्कि मानसिक पीड़ा, हीनभावना और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करती हैं। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में माहवारी के दौरान लड़कियों को रसोई, पूजा, स्कूल और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। यह व्यवहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा और अधिकारों का प्रत्यक्ष हनन है। सुप्रसिद्ध कोर्ट की टिप्पणी कि माहवारी 'सामान्य लैंगिक चक्र' नहीं है, बल्कि 'स्त्री की गरिमा' का प्रतीक है, यह वास्तविकता को दर्शाता है।

गिरमा को ठेस पहुँचाती है इस प्रश्न विमर्श को एक नई संवैधानिक दृष्टि देती है। संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और गिरमा के अधिकार को यदि वास्तविक अर्थों में लागू करना है, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी ही होगी। स्कूलों में सेनेटरी पैड की अनिवार्य व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई



अध्ययन बताते हैं कि स्वच्छता रहे, बल्कि हर छात्रा के जीवन में सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या वास्तविक बदलाव ला सके।

लडकियाँ किशोरावस्था में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह केवल शिक्षा का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समाज की बौद्धिक और नैतिक पूँजी की क्षति है। न्यायालय ने शिक्षा को एक 'मल्टीप्लायर राइट' बताया जो अन्य मानवाधिकारों के उपयोग की कुंजी है। न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक नहीं सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए। कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑनसो-बायोडाइडेल सैनटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी-6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पैड्स सहज, सुरक्षित और गोपनीय उपलब्धता के लिए स्कूलों में वैटिंग मशीन या नामित अधिकारी की व्यवस्था तय की गई, जिससे छात्राओं की शिक्षा और असज्जता पूरी तरह दूर की जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन कॉर्नर स्थापित करने का आदेश दिया गया, जहाँ अतिरिक्त नियुक्ति, स्पेयर इनरविबर, डिस्पोजेबल बैग और आवश्यक उपलब्ध कराने तक सीमित विषय नहीं है। इसके साथ जुड़ा है स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, कचरा निस्तारण की व्यवस्था और सबसे महत्वपूर्णकृसी जानकारों। आज भी अनेक लड़कियाँ पहली माहवारी की समय भय, धम और अपराधबोध से घिर जाती हैं क्योंकि उन्हें पहले से कोठे वैज्ञानिक और संवेदनशील जानकारी नहीं दी जाती। स्कूलों में यदि स्वास्थ्य शिक्षा को गंभीरता से लागू किया जाए और माहवारी को एक सामान्य जैविक प्रक्रिया के रूप में समझाया जाए, तो यह डर और संकोच स्वतः समाप्त हो सकता है। यह भी सच है कि माहवारी को लेकर समाज में फैली तुष्णी पुरुषों की भूमिका को भी प्रश्नों के घेर में लाती है। जब तक पुरुष-चाहे वे पिता हों, शिक्षक हों, प्रशासक हों या नीति-निर्माता, इस विषय को केवल महिलाओं का मामला मानकर किनारे करते रहेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं कि उन्होंने समाज और खासकर पुरुषों को संवेदनशील बनने का अवसर दिया है। जागरूकता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों को सहृदय और जिम्मेदार बनाना भी है।

सच्छता सामग्री उपलब्ध होगी। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अनुयाय छात्रों के लिए व्हीलचेयर-माहवारी से जुड़ी चुनौतियाँ और भी दिनांक शौचालय और सहायक गंभीर हैं। वहाँ आज भी कपड़े, राख उपकरण जैसे विशेष सुविधाएँ अस्वच्छ साधनों का उपयोग आम है, जिससे संक्रमण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सरकारी योजनाएँ और गैर-सरकारी प्रयास मौजूद हैं, परंतु उनकी पहुँच और प्रभावशीलता अभी भी सीमित है।

र को ठीक करने हेतु शांति जरूरी



होती है बहुत से लोग मन की चाल बाजियां काक सकते हैं, कहते रहे लेकिन जो प्रभु राम की लीला की कृपा होती है उस पर मैं बार-बार बलिहारी होता हूँ। जिस तरीके से प्रलंभ को और जिज्ञासा को समझाया जाता है वह वैज्ञानिक आधार पर खराब उतरता है और स्वयं मुझे संतुष्ट करता है यह केवल और केवल प्रभु की कृपा ही है अब ज्ञानी जान भले ही कुछ भी भाषण देते रहे बोलते रहे समझाते रहे, चक्करा दिखाते रहे लेकिन उनको समझने का मन नहीं करता है क्योंकि गुण ईश्वर राम स्वयं समझता है अंदर से बोली आती है तो मन धन्य हो जाता है। मन द्रवित हो जाता है प्रभु की कृपा देखकर जिस तरह के गुण संस्कार उसके उसके माता पिता समाज से मिलते हैं वह उसी गुण को धारण करता है और वह गुण बन जाता है संस्कृत धातु भञ्ज (bhañj)। मुख्य अर्थ सेवा करना, पूजा करना, आराधना करना या भक्ति करना है, जिससे भक्ति और भजन शब्द बने हैं। जो भी भगवान राम की भक्ति करता है उसमें सेवा का भाव आता है जो भक्ति का ही अंग है। सेवा एक बहुत सुंदर आराधना

का रूप है। भजन जिसमें प्रभु राम का स्मरण करते हैं। सेवा कामों से प्रभु का स्मरण है। कौन हिस्सा होगा यह जिनकी योजना है वहीं चयन करते हैं। लीला रचाते हैं हिस्सा बनाते हैं तो उनकी (भावना) राम की। शरण में जाओ। प्रार्थना करो। शराणागति मुझ बनाओ। जीव दशा से मुक्त होने का प्रयास बढ़ाओ। हम सब हिस्सा हैं हैं इस सृष्टि में जितने भी मनुष्य हैं सबको काम सौंप है आप देख नहीं रहे किसान, मजदूर, पत्रकार, शिक्षक सबको काम मिला है कि नहीं संसार का हिस्सा सब है। महाभारत में दुर्योधन आदि भी हिस्सा थे लेकिन स्तर अलग अलग हो सकते हैं। भौड़ का हिस्सा मत बनो। भगवान राम के युग कार्य का हिस्सा बनो। उनके योग बनो। ईश्वर के यंत्र ही हम सब वो अलग बात है कि किसी को पता रहता है कि किसी को नहीं किसी पंखे को भाना रहता है कि मुझे लाइट चला रही है और कोई समझता है मैं स्वयं चल रहा हूँ विज्ञान की अपनी मर्यादा है विज्ञान पूछता है-यह कैसे होता है विज्ञान-जाँचता है, प्रयोग करता है।

और प्रमाण मांगता है। लेकिन विज्ञान यह नहीं बताता—जीवन का अंतिम अर्थ क्या है। सही डकुमेंट कैसे तय करें। भगवान राम की साधना मर्यादा का पालन करना है। साधना सिखाती है—मैं कौन हूँ? दुख क्यों है? शांति कैसे मिले? लेकिन हर अनुभव हर व्यक्ति पर लागू नहीं होता। इसलिए आध्यात्म का फुल-प्सफ़ विज्ञान बनाकर बेचना अलर्ट है। जब तक भगवान राम के गलत हैं। हम समझ नहीं पाते तब तक हम मौन और शांत रूप प्राप्त नहीं होंगे तब तक मैं कोई भी चमत्करण नहीं जा सका है। राम को पाना ही यही जीवन का अंतिम लक्ष्य है। गौतम ऋषि की पत्नी को इंद्र के छल के कारण गौतम ऋषि के श्राप से अहिल्या पत्थर बनी और भगवान राम के चरण स्पर्श से पुनः जीवित हो गईं। एक मात्र ईश्वर भगवान राम हैं जो यह बताते हैं कि भगवान राम जो चरण स्पर्श मात्र से पत्थर जो निर्जीव हैं वो भी सजीव हो जायेगा कठोर कोठी चरन भी चरण स्पर्श मात्र से पिघल कर राम के भक्ति में लीन हो जायेगा।

आज मोबाइल के युग में मन में अशांति रहती है हमारी आँखें प्रतिपल संसार में पूर्णता खोज रही हैं यही कारण है कि मन इतना अशांत रहता है, जब तक मन उस एक को नहीं पा लेगा जिसकी उम्मीद वो संसार से रखता है तब तक अशांति बनी रहेगी, अशांति तो मन में ही होती और उसी को जागरूक करना होता है और मन शांत हो जाए तो आन्तरिक शांति आ जाती है। फिर भी अशांत व्यक्ति के लिए कदमों में तो यही आता है कि रेस्ट लेस बॉडी है।

संजय गोस्वामी

यह सही है क्योंकि राम का नाम जो बोलने से हमारी स्टेजिक एनर्जी और डायनामिक एनर्जी दोनों सक्रिय होते हैं उसके पश्चात आप भगवान राम को जब जोड़ देते हैं तो आप अपनी ऊर्जा को स्टैजिक ऊर्जा की ओर एक प्रकार से बढ़ाने का प्रयास करते हैं जो स्थायित्व देता है। और हृदय में यह गूँज स्वाभाविक है क्योंकि यह गूँज नाम का तरंग की ऊर्जा आपके पूरे शरीर को आंदोलन करती है और हमारा मस्तिष्क ध्यान करने पर अपनी सुगुहता को बढ़ा देता है जिस कारण हमको यह गूँज वहां सुनाई देती है। इस मानव के शरीर में तो प्रभु राम ने बहुत कृपा की है। बाँड़ी के अंदर रिपेयर सिस्टम है साधारणतय यह कृपा बड़े बड़ों के ऊपर नहीं की जाती है। भगवान अनुभूति बार-बार होती है। इसका राम का ध्यान करने से अब चाहे कोई द्वंद बोले अद्वैत बोले कोई भी बोले वह सब तर्क विवर्त की बातें हैं लेकिन जहाँ अनुभूति की बातें

A silhouette of a person sitting in a meditative pose (lotus or similar) on a grassy bank. The person is facing away from the camera, looking out over a calm body of water. The sky is a vibrant orange and yellow, indicating a sunset or sunrise. The sun is low on the horizon, partially obscured by the person's head. The water reflects the warm colors of the sky. In the distance, there are dark silhouettes of trees and land across the water. The overall mood is peaceful and contemplative.

का रूप है। भजन जिसमें प्रभु राम का स्मरण करते हैं। सेवा कामों से प्रभु का स्मरण है। कौन हिस्सा होगा यह जिनकी योजना है वहीं चयन करते हैं। लीला रचाते हैं हिस्सा बनाते हैं तो उनकी (भावना) राम की। शरण में जाओ। प्रार्थना करो। शराणागति मुझ बनाओ। जीव दशा से मुक्त होने का प्रयास बढ़ाओ। हम सब हिस्सा हैं हैं इस सृष्टि में जितने भी मनुष्य हैं सबको काम सौंप है आप देख नहीं रहे किसान, मजदूर, पत्रकार, शिक्षक सबको काम मिला है कि नहीं संसार का हिस्सा सब है। महाभारत में दुर्योधन आदि भी हिस्सा थे लेकिन स्तर अलग अलग हो सकते हैं। भौड़ का हिस्सा मत बनो। भगवान राम के युग कार्य का हिस्सा बनो। उनके योग बनो। ईश्वर के यंत्र ही हम सब वो अलग बात है कि किसी को पता रहता है कि किसी को नहीं किसी पंखे को भाना रहता है कि मुझे लाइट चला रही है और कोई समझता है मैं स्वयं चल रहा हूँ विज्ञान की अपनी मर्यादा है विज्ञान पूछता है-यह कैसे होता है विज्ञान-जाँचता है, प्रयोग करता है।

और प्रमाण मांगता है। लेकिन विज्ञान यह नहीं बताता—जीवन का अंतिम अर्थ क्या है। सही डकुमेंट कैसे तय करेंगे। भगवान राम की साधना मर्यादा का पालन करना है। साधना सिखाती है—मैं कौन हूँ? दुख क्यों है? शांति कैसे मिले? लेकिन हर अनुभव हर व्यक्ति पर लागू नहीं होता। इसलिए आध्यात्म का फुल-प्सफ़ विज्ञान बनाकर बेचना अलर्ट है। जब तक भगवान राम के अर्थ को हम समझ नहीं पाते तब तक हम मौन और शांत रूप प्राप्त नहीं होंगे तब तक मैं कोई भी चमत्करण नहीं जा सकाती है। राम को पाना ही यही जीवन का अंतिम लक्ष्य है। गौतम ऋषि की पत्नी को इंद्र के छल के कारण गौतम ऋषि के श्राप से अहिल्या पत्थर बनी और भगवान राम के चरण स्पर्श से पुनः जीवित हो गई। एक मात्र ईश्वर भगवान राम हैं जो यह बताता है कि भगवान राम जो चरण स्पर्श मात्र से पत्थर जो निर्जीव है वो भी सजीव हो जायेगा कठोर कोठर चीज भी चरण स्पर्श मात्र से पिघल कर राम के भक्ति में लीन हो जायेगा।

पुलिसिंग सख्त, बीट गश्त फिर शुरू: टेक्निकल जांच के चलते बीट सिस्टम हो गई थी सुस्त 3 शिफ्ट लगेगी, मैदान में दिखेंगे हेड-कॉन्स्टेबल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पुलिसिंग में कसावट लाने और सूचना तंत्र मजबूत बनाने के लिए फिर से बीट प्रणाली की व्यवस्था शुरू की गई है इसके जरिए अपराधियों पर नजर रखने और वारदातों को रोकने के लिए जवान अब अपने-अपने इलाके में एक्टिव नजर आएंगे मंगलवार की शाम एसएसपी रजनेश सिंह ने बाइक सवार सभी बीट प्रभारियों को हरी झंडी दिखाकर फील्ड में रवाना किया जिले के सभी थानों में यह व्यवस्था मंगलवार से लागू कर दी गई है इस व्यवस्था के तहत तीन शिफ्ट में जवान बीट की निगरानी करेंगे साथ ही संबंधित बीट में होने वाली अपराधिक गतिविधियों और गुंडे-बदमाशों की हरकतों पर नजर रखी जाएगी इलाके में होने वाली चोरी जैसी वारदातों पर तत्काल संबंधित क्षेत्र के मुखबिरों को सक्रिय कर आरोपियों तक पहुंचा जाएगा इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर बीट व्यवस्था को थोड़े बदलाव के साथ जिले में फिर से शुरू किया गया है नई व्यवस्था को पहले से अधिक



प्रभावी बनाने की कोशिश की गई है। हालांकि, बल की कमी के कारण हवलदारों को भी बीट पर लगाया गया है शहरी क्षेत्र के लिए- नई व्यवस्था में हर थाना क्षेत्र में तीन से चार बीट बनाए गए हैं। तीन शिफ्ट में जवान बीट की निगरानी करेंगे सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक पहली शिफ्ट और दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक दूसरी शिफ्ट गश्त पर रहेगी रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक

बीट प्रभारी राइफल लेकर गश्त करेंगे ग्रामीण क्षेत्र के लिए- ग्रामीण इलाकों के थाना क्षेत्रों में दो शिफ्ट में टीम गश्त करेगी पहली टीम सुबह और दूसरी टीम रात में गश्त करेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में दो से तीन बीट बनाए गए हैं बल की कमी बन सकती है बड़ी चुनौती नई व्यवस्था में बल की कमी बड़ी चुनौती है इससे हवलदारों को बीट गश्त के बाद डायरी की जांच भी करनी होगी जिसके चलते उन पर



काम दबाव बढ़ेगा इसे लेकर वो चिंतित हैं अफसरों ने बताया कि, शहरी क्षेत्र में छोटे थानों में 2-3 और बड़े थाना क्षेत्रों में 4 बीट बनाई गई हैं हर बीट में एक समय पर 6 जवान गश्त पर रहेंगे तीन शिफ्ट में कुल 24 जवान व्यस्त रहेंगे इससे थाने का कामकाज प्रभावित हो सकता है इतना ही नहीं, शिफ्ट खत्म होने के बाद बुलाने पर आरक्षक भी थाने आने में मनमानी कर सकते हैं टेक्नीकल

इनपुट और फुटेज के भरोसे थी पुलिस पिछले तीन साल से बीट व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी थी थानों की टीम पूरी तरह एससीसीयू के टेक्नीकल इनपुट, सीसीटीवी फुटेज और गिने-चुने मुखबिरों के भरोसे सिमट कर रह गई थी ऐसे अपराधों में मोबाइल, सीसीटीवी कैमरे आदि का इस्तेमाल नहीं होने पर आरोपियों को पकड़ने में पुलिस को काफी समय लग रहा था।



कार्यक्रम में बताया गया कि संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित दिनचर्या, पर्याप्त जल सेवन और समय पर भोजन अपनाकर कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है विशेष रूप से तंबाकू, गुटखा, शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की गई तथा बालिकाओं को अपने परिवार और समाज में नशा विरोधी जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही एनीमिया की रोकथाम, शारीरिक कमजोरी से बचाव और स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली पर भी विस्तार से चर्चा की गई परीक्षाओं के नजदीक होने से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले मानसिक तनाव को ध्यान में रखते हुए उन्हें सकारात्मक सोच,

संतुलित खान-पान और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए प्रोत्साहित किया चुम्पी तोड़ो-खुलकर बोलो अभियान तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व की जानकारी दी गई इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की भी जानकारी साझा की गई बालिकाओं को नवा बिहान, सखी वन स्टॉप सेंटर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, नोनी सुरक्षा योजना, महतारी जतन, महतारी वंदन, मातृ वंदन योजना, महिला कोष, कन्या विवाह योजना, पालना योजना, सीडब्ल्यूसी एवं जेजेबी जैसी योजनाओं के उद्देश्य एवं लाभों से अवगत कराया गया।

पंचमुखी हनुमान मंदिर से दानपेटी चोरी रात 2:45 बजे बाउंड्री कूदकर घुसा था चोर हजारों की नकद ले गया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के पंचमुखी हनुमान मंदिर से अज्ञात चोर ने रात के समय दानपेटी चोरी कर ली चोरी की यह पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है मंदिर के पुजारी सोनू शर्मा (25), जो पंचमुखी हनुमान मंदिर, सिद्धविनायक हॉस्पिटल के पास रहते हैं ने थाने में मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई उन्होंने बताया कि मंगलवार देर रात करीब 11 बजे मंदिर के पट बंद कर वे घर चले गए थे। अगली सुबह 4 फरवरी को लगभग 5 बजे मंदिर की सफाई करने वाले कैलाश योगी ने उन्हें दानपेटी गायब होने की सूचना दी सूचना मिलने पर पुजारी ने मंदिर पहुंचकर जांच की उन्हें



सिंदूरी रंग की लोहे की दानपेटी अपने स्थान पर नहीं मिली सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि रात करीब 2:45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति मंदिर की बाउंड्री कूदकर अंदर आया और दानपेटी उठाकर ले गया पुजारी के अनुसार, दानपेटी में 10, 20, 50 और 100 रुपए के नोटों के साथ चिल्लर भी थी

जिसकी कुल राशि लगभग 6 हजार रुपए थी दानपेटी को आखिरी बार 31 जनवरी को खोला गया था चोरी हुई दानपेटी की अनुमानित कीमत 2100 रुपए बताई गई है पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की जांच शुरू कर दी है।

6 घंटे बिजली कटौती: कमलागंज, विवेकानंद फीडर से जुड़े बैंक कॉलोनी, नवग्रह मंदिर इलाकों में सप्लाई ठप



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में आज बिजली सप्लाई कुछ समय के लिए बंद रहेगी विद्युत विभाग ने यह कटौती एसएसटीडी योजना के तहत फीडर विभक्तिकरण के काम के कारण की है विभाग के अनुसार 33/11 केवी व्ही. डकबंगला उपकेंद्र से जुड़े 11 केवी कमलागंज और 11 केवी विवेकानंद फीडर की बिजली 4 फरवरी को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक बंद रहेगी इन इलाकों में होगी कटौती इस

दौरान कमलागंज, बैंक कॉलोनी, बाबूक्वाटर, नवग्रह मंदिर के आसपास का क्षेत्र, विवेकानंद कॉलोनी, डी.जे. साहब की कोठी और सहगल टेंट हाउस से जुड़े सभी इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी विद्युत विभाग ने लोगों को होने वाली असुविधा के लिए खेद जताया है और नागरिकों से अपील की है कि वे अपने जरूरी काम समय रहते निपटा लें विभाग ने बताया कि काम पूरा होते ही बिजली आपूर्ति तुरंत बहाल कर दी जाएगी।

ब्लॉक कांग्रेस ने स्वधरूजीएम से की अहम बैठक स्थानीय रोजगार व जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की मांग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ब्लॉक अध्यक्ष शिवांश जैन के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने आज चिरमिरी क्षेत्र (SECL) के महाप्रबंधक (जीएम) से एक महत्वपूर्ण बैठक कर क्षेत्र से जुड़ी जनहित की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया इस दौरान प्रतिनिधि मंडल द्वारा जीएम को एक जापन सौंपा गया जिसमें स्थानीय रोजगार, शिक्षा, सामाजिक सुविधाओं और स्वच्छता से संबंधित मामलों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई जापन में अंजनहिल नवीन प्राइवेट खदान में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने की मांग की गई प्रतिनिधियों ने कहा कि खदान के संचालन और विस्तार से क्षेत्रीय बेरोजगार युवाओं को लाभ मिलना चाहिए इसके साथ ही डोमन्हिल मंगल भवन पर



लगे स्टे को शीघ्र हटाने की मांग उठाई गई, जिससे क्षेत्रवासी सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भवन का उपयोग कर सकें DAV पब्लिक स्कूल स्वधरू बरतुंगा में रूख कक्षा से एक अतिरिक्त सेक्शन खोलने तथा क्षेत्र में कचरा सफाई व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर भी जोर दिया गया प्रतिनिधियों ने बताया कि गंदगी के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं बैठक के

बाद शिवांश जैन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी क्षेत्रवासियों के हितों के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी प्रतिनिधि मंडल में नेता प्रतिपक्ष गायत्री बिरहा, मंडल अध्यक्ष उमाशंकर रामप्यारे चौहान, इंद्रजीत सिंह लाट्ट, उप नेता प्रतिपक्ष इकराम आजमी, पार्षद राहुल पटेल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे जीएम ने जापन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पुलिस को खुली चुनौती! एसईसीएल जीएम कॉलोनी में 25 लाख की मेगा चोरी, खाली क्वार्टर बना चोरों का सेफ ज़ोन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पोड़ी थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की पोल खोलती एक सनसनीखेज चोरी की वारदात सामने आई है। चिरमिरी स्थित एसईसीएल जीएम कॉम्प्लेक्स कॉलोनी में अज्ञात चोरों ने बेखौफ होकर लाखों की चोरी को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली इस हाई-प्रोफाइल चोरी में सोने-चांदी के कीमती जेवरत नगदी और दो लैपटॉप सहित करीब 20 से 25 लाख रुपये का सामान पार कर दिया गया जानकारी के मुताबिक जीएम कॉम्प्लेक्स की सी-टाइप कॉलोनी में निवासरत सरकार परिवार 28 जनवरी को इलाज के लिए बिलासपुर गया हुआ था कई दिनों से मकान बंद



होने की रेकी कर रहे चोरों ने 1 फरवरी की रात को वारदात को अंजाम दिया चोरों ने सबसे पहले रोशनदान तोड़ा और उसके बाद भीतर घुसकर कमरे के दरवाजे को लोहे की रॉड से तोड़ डाला इसके बाद एक-एक कर तीन अलमारियों के ताले तोड़े गए

अलमारियों में रखे सोने-चांदी के बहुमूल्य आभूषण लगभग 20 हजार रुपये नगद दो लैपटॉप और अन्य कीमती सामान समेटकर चोर बड़ी ही आसानी से फरार हो गए चौंकाते वाली बात यह है कि एसईसीएल जैसी हाई-सिक्योरिटी मानी जाने

वाली कॉलोनी में इतनी बड़ी वारदात के दौरान किसी को भनक तक नहीं लगी चोरी की सूचना मिलते ही सरकार परिवार बिलासपुर से चिरमिरी पहुंचा घर के भीतर का नजारा देखकर परिवार के होश उड़ गए कमरों में सामान बिखरा पड़ा था अलमारियां टूटी हुई थीं दीवान और किचन तक अस्त-व्यस्त मिले इससे साफ जाहिर होता है कि चोरों को न तो पुलिस का डर था और न ही पकड़े जाने की कोई आशंका घटना की जानकारी मिलते ही पोड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा आसपास के इलाकों में पूछताछ और सीसीटीवी

फुटेज खंगालने की बात कही जा रही है लेकिन फिलहाल कोई ठोस सुरांग हाथ नहीं लगा है घटना के बाद क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश है लोगों का कहना है कि यदि एसईसीएल जीएम कॉलोनी जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली जगह पर चोर इतने बेखौफ हैं तो आम नागरिकों की सुरक्षा भगवान भरोसे ही है स्थानीय लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी का शीघ्र खुलासा करने की मांग की है अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पुलिस इस हाई-प्रोफाइल चोरी का पर्दाफाश कर पाएगी, या फिर चोर एक बार फिर कानून को ठेगा दिखाकर फरार रहेंगे पूरे इलाके की निगाहें अब पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

विश्व कैंसर दिवस पर किशोरियों को मिला स्वास्थ्य का संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जिले में बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण एवं कैंसर की रोकथाम को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत 01 से 10 फरवरी तक चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान की श्रृंखला में शासकीय हाई स्कूल छिपछिपी में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ भारत सरकार की महत्वाकांक्षी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जिला कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण केंद्र के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरी बालिकाओं को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति सजग करना तथा इसके संभावित कारणों, प्रारंभिक लक्षणों, रोकथाम एवं समय पर उपचार के महत्व से अवगत कराना रहा

संतुलित खान-पान और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए प्रोत्साहित किया चुम्पी तोड़ो-खुलकर बोलो अभियान तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व की जानकारी दी गई इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की भी जानकारी साझा की गई बालिकाओं को नवा बिहान, सखी वन स्टॉप सेंटर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, नोनी सुरक्षा योजना, महतारी जतन, महतारी वंदन, मातृ वंदन योजना, महिला कोष, कन्या विवाह योजना, पालना योजना, सीडब्ल्यूसी एवं जेजेबी जैसी योजनाओं के उद्देश्य एवं लाभों से अवगत कराया गया।

सिंधिया के निर्देश पर जाधव सागर से जलकुंभी हटाई किनारे छोड़ने से संकट फिर बढ़ने लगी, वैज्ञानिक तरीके से नहीं किया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। ऐतिहासिक जाधव सागर से जलकुंभी हटाने के बाद राहत की उम्मीद थी लेकिन सफाई का तरीका सही नहीं होने से समस्या फिर बढ़ गई तालाब से निकाली गई जलकुंभी को पूरी तरह नष्ट करने की बजाय किनारे छोड़ दिया गया जिससे वह दोबारा हरी होने लगी है तालाब की पार से रिसते पानी और पास की खराब पार के गंदे पानी के संपर्क में आने से सूखी जलकुंभी में फिर से जान आ गई है विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ ही दिनों में यह जलकुंभी फिर से तालाब में फैल सकती है और सफाई का पूरा काम बेअसर हो जाएगा यह सफाई केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के निर्देश



पर की गई थी लेकिन जलकुंभी को अधूरा नष्ट करने के कारण अब इस प्रयास की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं स्थानीय निवासी कहते हैं कि जलकुंभी को समय पर उठाकर वैज्ञानिक तरीके से नष्ट नहीं किया गया तो हालात पहले से भी ज्यादा खराब हो सकते हैं पहले भी हुई थी यही गलती यह पहली बार नहीं है पहले भी माधव नेशनल पार्क के तालाबों

में मैनुअल सफाई के दौरान जलकुंभी को किनारे छोड़ दिया गया था नमी मिलने पर वह फिर से पानी में फैल गई थी नगर पालिका के सीएमओ इशांक धाकड़ ने कहा कि ठेकेदार को जलकुंभी हटाकर सही तरीके से नष्ट करने के निर्देश दिए गए थे यदि ऐसा नहीं हुआ है तो वे तुरंत मामले की जांच करेंगे और जलकुंभी हटवाने के नए निर्देश जारी करेंगे।

पीएम-श्रम योगी मानधन और एनपीएस ट्रेडर्स योजना के लिए विशेष पंजीकरण अभियान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासन के मुख्य सचिव कार्यालय, महानदी भवन तथा श्रमायुक्त कार्यालय, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी निर्देशों के तहत प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (PM-SYM) एवं एनपीएस-ट्रेडर्स योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले में विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जाएगा इस अभियान के अंतर्गत जिले के शहरी क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से विशेष शिविरों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है जिसे कलेक्टर द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है विशेष पंजीकरण अभियान के अंतर्गत 30 जनवरी से 13 फरवरी 2026 तक नगर निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

जाए और बैंक एटीएम हेतु दुकान आवंटन सहित नगरीय सुविधाओं के विस्तार में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए जनदर्शन, पीजीएन, प्रधानमंत्री पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन और वेब माध्यम से प्राप्त लंबित आवेदनों की समीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में शिकायतें लंबित पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की उन्होंने दो टूक कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की उदासीनता सीधे जिम्मेदारी तय करेगी कृषि, खाद्य, जल संसाधन, खनिज, पुलिस, विद्युत, नगर निकाय, पंचायत, परिवहन, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित सभी विभागों को निर्देश दिए गए।

नशाखोरों और अड्डेबाजों पर ड्रोन से निगरानी. रात में घूमते मिले 15 नशेड़ियों से कान पकड़कर कराई उठक-बैठक, कई को चेतावनी देकर छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नशाखोरी, अड्डेबाजी और जेबकतरी की घटनाओं पर नजर रखने के लिए पुलिस ने ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है मंगलवार रात पुलिस ने शहर के अलग-अलग इलाकों में ड्रोन उड़ाकर संदिग्ध स्थानों की लाइव मॉनिटरिंग की इस दौरान ड्रोन के जरिए संदिग्ध स्थानों की लाइव मॉनिटरिंग कर देर रात घूमने और नशा करने वालों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने 15 लोगों को कान पकड़कर उठक-बैठक कराई। कई युवकों से पूछताछ की गई, फिर चेतावनी देकर छोड़ दिया गया साईंस कॉलेज मेले में ट्रैफिक व्यवस्था पर ड्रोन से नजर सरकंडा क्षेत्र के साईंस कॉलेज मैदान में चल रहे व्यापार मेले में भीड़ और यातायात व्यवस्था पर निगरानी के लिए ड्रोन का



उपयोग किया गया मेले के प्रवेश और निकास मार्गों पर ड्रोन के जरिए ट्रैफिक की निगरानी की जा रही है कंट्रोल रूम से संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मंगला, धुरीपारा सहित अन्य इलाकों में ड्रोन से निगरानी की गई मंगला क्षेत्र में एक नावालिग चाकू के साथ मिला इस इलाके में पुलिस ने 5 से अधिक लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि सिरगिट्टी क्षेत्र में ड्रोन से मिली लोकेशन और लाइव इनपुट के

आधार पर पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी इस दौरान नशाखोरी और अड्डेबाजी में शामिल 15 लोगों को पकड़ा गया आरोपियों पर आवकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई लोकेशन चिन्हित कर छापेमारी, बदमाशों को भागने का मौका नहीं सीएसपी ने बताया कि शहर के कई क्षेत्रों में देर रात नशाखोरी और अड्डेबाजी करने वालों की शिकायतें मिल रही थी पुलिस के मौके पर पहुंचते ही बदमाश फरार हो जाते थे इसी वजह से इस बार पहले संदिग्ध स्थानों को चिन्हित किया गया।

मजदूर हाई टेंशन लाइन की चपेट में आया:बड़वानी की विवेकानंद कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान पर काम करते समय हादसा



बड़वानी, (निप्र)। बड़वानी शहर की विवेकानंद कॉलोनी में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन मकान की छत पर काम कर रहा एक मजदूर पास से गुजर रही हाई टेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गया। कर्ट लगने से मजदूर गंभीर रूप से झुलस गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल मजदूर की पहचान बड़वानी के नवलपुरा निवासी राजेश (26 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद, आसपास मौजूद लोगों की मदद से राजेश को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है।

इस हादसे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण स्थल के बेहद नजदीक से हाई टेंशन लाइन गुजर रही थी। इसके बावजूद, न तो सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए और न ही बिजली विभाग या निर्माण करने वालों द्वारा कोई सावधानी बरती गई। इस घटना ने बिजली विभाग, ठेकेदार और निर्माण कार्य की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर लापरवाह जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से मजदूरों की जान जोखिम में न पड़े।

दुकानदार से मारपीट, युवक पर हमला

इटारसी, (निप्र)। पुराना बस स्टैंड पर पान दुकान चलाने वाले नरेश यादव (57) के साथ मारपीट हुई। आरोपी रजत तोमर दुकान से सामान लेने आया था। दुकानदार ने जब पैसे मागे तो उसने गालीगलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ा तो आरोपी ने मारपीट की। जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया है। दूसरी घटना बजरंगपुर में हुई। राज टॉकीज के पास कंचन होटल के सामने अनिल बामने के साथ सुरुश उर्फ गौरा ने मारपीट की। गालीगलौज भी की। पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत दी। पुलिस दोनों मामलों में आरोपियों की तलाश कर रही है।

जबलपुर में तेज रफतार एक्टिवा से टकराया

बारहसिंगा मौके पर मौत, दंपति घायल;

जीसीएफ के पास हादसा

जबलपुर, (निप्र)। जीसीएफ फैक्ट्री स्थित पोस्ट ऑफिस के सामने सड़क पार कर रहा एक बारहसिंगा अचानक एक्टिवा सवार दंपति से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दंपति बीच सड़क पर गिर पड़े, जबकि बारहसिंगा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत जीसीएफ सुरक्षा विभाग और वन विभाग को सूचना दी। बताया जा रहा है कि इससे पहले ही इसी इलाके में जंगली जानवर सड़क पार करते समय घायल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पहाड़ी से सटे जंगल क्षेत्र को फेंसिंग से कवर किया जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। जानकारी के अनुसार, हादसा बुधवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ। दंपति रांडी से जबलपुर की ओर जा रहे थे, तभी एक बारहसिंगा, जिसे कुछ क्षणों ने खदेड़ दिया था, डर के कारण सड़क की ओर भागा और सीधे उनकी एक्टिवा से टकरा गया। सूचना मिलते ही जीसीएफ स्टेट के सुरक्षा कर्मचारी, नगर निगम और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायल दंपति कटगी क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। बुजुर्ग का नाम हरिशंकर चमोली है, जो कि पत्नी लोकेश ध्यानी के साथ घर लौट रहे थे। घायल दंपति को मौके से निकल रहे लोगों ने संभाला और इलाज के लिए रवाना किया। घायल दंपति को मौके से निकल रहे लोगों ने संभाला और इलाज के लिए रवाना किया।

फैक्ट्री कर्मचारियों ने दी सूचना : घटना की सूचना मिलते ही फैक्ट्री के सुरक्षा अधिकारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मृत बारहसिंगा को वन विभाग के सुपुर्द किया। सुरक्षा अधिकारी अवतार सिंह ने बताया कि बारहसिंगा अचानक दौड़ते हुए सड़क पार कर रहा था, इसी दौरान उसकी टक्कर एक्टिवा सवार दंपति से हो गई। हादसे में घायल पति-पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। अवतार सिंह के अनुसार, इस मार्ग पर जंगली जानवरों का सड़क पर आ जाना आम बात है। फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से सड़क के दोनों ओर जालियां भी लगवाई गई हैं, इसके बावजूद जानवर जंगल से निकलकर सड़क तक पहुंच जाते हैं, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। फैक्ट्री प्रबंधन ने वाहन चालकों से अपील की है कि इस सड़क पर धीमी गति से वाहन चलाएं, ताकि चालक स्वयं सुरक्षित रहें और जंगली जानवरों को भी नुकसान न पहुंचे।

कर्मचारियों को ले जा रही बुलेरो पलटी, 5 घायल-नर्मदापुरम में सोलर प्लांट पर काम करके वापस आ रहे थे

नर्मदापुरम, (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में मोहासा औद्योगिक क्षेत्र से सोलर प्लांट के कर्मचारियों को लेकर लौट रही बुलेरो गाड़ी मंगलवार शाम दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा शाम करीब 6 बजे पिपरियाङ्कनर्मदापुरम स्टेट हाईवे पर निमसाड़िया के पास हुआ, जहां बुलेरो अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। गाड़ी में सवार पांच कर्मचारी घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक सभी घायल कर्मचारी मोहासा औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक सोलर प्लांट में कार्यरत हैं। मंगलवार शाम वे बुलेरो गाड़ी से काम खत्म कर नर्मदापुरम लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से नीचे जा गिरी।

हादसे के बाद मौके पर लगी भीड़ : दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से गाड़ी में फंसे कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी घायलों को दूसरे वाहन से नर्मदा अस्पताल पहुंचाया गया।

सिर, हाथ और पैर में आई चोटें : हादसे में घायल कर्मचारियों की पहचान सुमित पिता देवी सिंह (34) निवासी हनुमान नगर रसूलिया, अश्वय राठौर पिता यशवंत सिंह निवासी ऑफिसर कॉलोनी, अनुराग तिवारी निवासी हनुमान नगर और रोहित पिता जमुनादास साहू (35) निवासी ऑफिसर कॉलोनी के रूप में हुई है। घायलों के सिर, हाथ और पैर में चोटें आई हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार सभी घायलों की हालत स्थिर है और चोटें सामान्य हैं। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है और मामले की जांच की जा रही है।

मंदसौर में रिटायर्ड शिक्षक का शव, शिवना नदी में मिलासाइटिका ऑपरेशन के बाद तनाव में थे

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर में मंगलवार को रिटायर्ड शिक्षक दिलीप पंवार (64) का शव शिवना नदी में मुक्ति धाम के पास मिला। वे पिछले महीने साइटिका का ऑपरेशन करवा चुके थे और बीमारी के कारण परेशान थे। प्रारंभिक जानकारी में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार दिलीप पंवार पिता तुलसीराम पंवार दोपहर करीब 3:30 बजे खाना खाकर घर से टहलने के लिए निकले थे। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजन चिंतित हो गए। इसी दौरान शिवना नदी की बड़ी पुलिया पर एक व्यक्ति के नदी में कूदने की सूचना प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा पुलिस को दी गई। नई आबादी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के बताए अनुसार, दिलीप पंवार बड़ी पुलिया

पुल से कूदकर सुसाइड का संदेह



पर पहुंचे और वहां से शिवना नदी में छलांग लगा दी। पुलिस ने उन्हें नदी से बाहर निकाला और तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जिला चिकित्सालय पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद दिलीप पंवार को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव की

पहचान के लिए परिजनों को सूचना दी गई। अस्पताल पहुंचे उनके पुत्र ने पहचान की।

बीमारी से थे काफी परेशान : जानकारी के मुताबिक दिलीप पंवार पेशे से शिक्षक थे और करीब दो वर्ष पूर्व ही सेवानिवृत्त हुए थे। पिछले कुछ समय से वे शारीरिक

टीनशेड में फंदे से झूलता मिला दुकानदार का शव:एक दिन पहले हुआ था विवाद

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में अपनी ही दुकान के टीनशेड में दुकानदार का शव फंदे पर झूलता मिला है। आसपास के लोगों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मामले में परिजन ने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या करने की आशंका जताई है। मृतक के भाई संतोष विश्वकर्मा ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे छोटा भाई ब्रजेश पिता मुन्नालाल विश्वकर्मा उम्र 45 साल निवासी महाराजपुर घर से दुकान के लिए निकला था। सुबह से उसने घर में चाय-नाश्ता भी नहीं किया था। कुछ समय बाद पता चला कि ब्रजेश का शव दुकान के टीनशेड में फंदे से लटका है। मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। परिजन ने आरोप लगाते हुए बताया कि मृतक ब्रजेश की दुकान के बाजू में



रामबाबू रैक्वार अंडे की दुकान लगाता है। कल रामबाबू और ब्रजेश के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। मारपीट में रामबाबू ने मृतक के साथ मारपीट की थी। मारपीट के बाद ब्रजेश ने थाने पहुंचकर शिकायत की। लेकिन सुनवाई नहीं हुई। भाई ने कहा कि शिकायत नहीं लिखी जाने के बाद वह घर आया और सो गया। सुबह सोकर उठ और

सीधा दुकान चला गया था। परिजन ने उक्त लोगों पर संदेह जताते हुए हत्या का आरोप लगाया है। महाराजपुर थाना प्रभारी अजय सिंह भदौरिया ने बताया कि फंदे पर लटका हुआ व्यक्ति का शव मिला है। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया है। मामला दर्ज कर आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। परिजन के आरोपों पर भी जांच कर रहे हैं।

नर्मदापुरम में 2 दिन से तापमान में उतार-चढ़ाव जारी

पचमढ़ी में छाया कोहरा,न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री पर पहुंचा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में बुधवार को एक बार फिर से ठंड का असर बढ़ा है। सुबह से मौसम साफ रहा, तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। सुबह हल्की ठंड पड़ी। फरवरी माह की शुरुआत से ही जिले के मौसम बदलाव देखा जा रहा है। जिससे तापमान में उतार चढ़ाव की स्थिति बन रही। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से यह बदलाव हो रहा है। बुधवार को न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री दर्ज हुआ। एक दिन मंगलवार को यह तापमान 16.8 डिग्री दर्ज हुआ था। हिल स्टेशन पचमढ़ी में बुधवार को सुबह से कोहरा छाया रहा। जिससे मौसम सुहावना हो गया। पर्यटक और स्थानीय लोगों ने कोहरे के बीच सुबह का आनंद लिया।



रिटायर्ड डीएसपी चौधरी मदन सिंघाने मन को आनंद और सुकून देने वाले दृश्य को कैमरे में कैद किए। पचमढ़ी में 24 घंटे में एक डिग्री और 48 घंटे में 2.8 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार अब बादल हट

रहे हैं। धूप तेज होने लगी है। इस कारण तापमान में बदलाव आया है। फरवरी में कड़के की ठंड से राहत मिलेगी। गर्मी की दस्तक हो सकती है। कृषि विभाग के अनुसार मौसम फसल के लिए अनुकूल है। आने वाले दिनों में

बीमारी से जूझ रहे थे और हाल ही में उनका साइटिका का ऑपरेशन हुआ था। परिजनों के अनुसार बीमारी के चलते वे मानसिक रूप से भी परेशान चल रहे थे। नई आबादी थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर ने बताया कि दिलीप पंवार दोपहर में घर से निकले थे और वापस नहीं लौटे। आमजनों से मिली सूचना के आधार पर उन्हें अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मर्च्युरी में रखवाया गया है। पुलिस ने बताया कि बुधवार सुबह पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। फिलहाल आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल सका है, पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

दमोह में स्कूल ऑटो पलटा, 5 छात्र घायल

दो छात्रों की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह जिले के तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह ग्राम रामादेही के पास सांदिपनी स्कूल के बच्चों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में पांच छात्र घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। दो छात्रों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जबलपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, ये सभी छात्र तेंदूखेड़ा के शासकीय सांदिपनी स्कूल के बच्चों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में पांच छात्र घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। दो छात्रों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जबलपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, ये सभी छात्र तेंदूखेड़ा के शासकीय सांदिपनी स्कूल के बच्चों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में पांच छात्र घायल हो गए।

विद्यार्थियों ने बताया कि वे जिस ऑटो से प्रतिदिन आते थे, उसकी बैटरी खराब थी, इसलिए

सागर में बादलों की आवाजाही हल्का कोहरा छाया



रात का तापमान 14

डिग्री पर पहुंचा,

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। वेदर सिस्टम सक्रिय होने से सागर के मौसम में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। आसमान में बादलों की आवाजाही देखने को मिल रही है। पिछले दो दिनों से सागर में बादलों के बीच सूरज की लुकाछिपी का सिलसिला बना हुआ है। जिसका असर से दिन और रात के तापमान पर देखने को मिल रहा है। बुधवार सुबह से

सागर में हल्का कोहरा छाया रहा। जिले के कुछ हिस्से में बादल छापे हुए हैं तो कुछ इलाकों में हल्की धूप खिली है। हवाएं चलने से वातावरण में ठंड का असर बढ़ा है।इस समय सागर का अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री और न्यूनतम पारा 14.4 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी हिमाचल क्षेत्र में 5 फरवरी से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। जिसका असर प्रदेश के मौसम पर देखने को मिलेगा।



वे दूसरे ऑटो से आ रहे थे। गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर एक अंधा मोड़ पर तेज रफतार के कारण ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। घायल छात्रों में रोहित पाल (14), दीक्षा पाल (12), मोनिका पाल (12), दुर्गाेश पाल (10) और साक्षी पाल (13) शामिल हैं।

पीछे से आ रहे एक अन्य ऑटो की मदद से घायल बच्चों

को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। छात्र रोहित पाल (कक्षा नौवीं) और दीक्षा पाल (कक्षा सातवीं) को गंभीर चोटें आने के कारण जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। हादसे के बाद ऑटो चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रायसेन में दो घोड़ों ने बाइक सवार को रौंदा



मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के बेगमगंज में मंगलवार रात एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा तब हुआ, जब तेज रफतार में दौड़ते दो घोड़े बाइक से टकरा गए। यह घटना सुल्तानगंज रोड पर बीड़ी कॉलोनी के पास हुई। मुंबीन खां, जो बिजली घर के पीछे के रहने

वाले हैं, अगरबत्तियां सप्लाय कर बाइक से बेगमगंज लौट रहे थे। इसी दौरान ख़तक शिल्पकार अपने दो घोड़ों को सड़क पर दौड़ाते हुए लेकर आया और उनकी बाइक से सीधी टक्कर हो गई।

हाथ और पैर की हड्डियां टूटी : टक्कर इतनी तेज थी कि मुंबीन खां बाइक से गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं।

शहडोल में कुएं में गिरे पति की मौत:बचाने कूदी पत्नी गंभीर घायल,अस्पताल में भती

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के सीधी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की कुएं में गिरने से मौत हो गई। पति को बचाने के लिए कुएं में कूदी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका उपचार अस्पताल में जारी है। मृतक गांव का पंच था। यह घटना ग्राम तेन्दुडोल में हुई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सीधी थाना क्षेत्र के ग्राम तेन्दुडोल निवासी राकेश सिंह (32), जो गांव के पंच भी थे, अपने घर में स्थित कुएं से पानी निकाल रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ा और वे कुएं में गिर गए। घटना के समय उनकी पत्नी सुमिला सिंह कुएं के पास ही मौजूद थीं। पति को कुएं में गिरता देख सुमिला ने उन्हें बचाने के लिए तुरंत कुएं में छलांग लगा दी। कुएं से आवाज सुनकर घर के अन्य सदस्य और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों

की मदद से सुमिला सिंह को किसी तरह कुएं से बाहर निकाल लिया गया और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, राकेश



सिंह को बाहर निकालने में देर हो गई और जब तक उन्हें बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सीधी थाना प्रभारी शिवेंद्र राम भगत ने बताया कि राकेश सिंह की मौत कुएं में डूबने से हुई है। महिला को परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

आखिरी पल में हैवर्ट्ज का गोल, आर्सेनल आठ साल बाद काराबाओ कप फाइनल में पहुंचा

लंदन एजेंसी। लंदन के एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में आर्सेनल ने चेल्सी को 4-2 से हराकर काराबाओ कप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। मैच के हीरो काई हैवर्ट्ज बने, जिन्होंने आखिरी पलों में निर्णायक गोल करके टीम को जीत दिलाई। पहले चरण में आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस, बेन व्हाइट और मार्टिन जुबीमेंदी के गोल की बदौलत 3-2 की बढ़त बना ली थी। इसी बढ़त के साथ गर्नर्स ने दूसरे चरण की शुरुआत की और एमिरेट्स स्टेडियम में आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरी। उन्होंने शुरुआती मिनटों में खेल पर पकड़ बनाए रखी और गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा। चेल्सी ने मजबूत रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए पांच खिलाड़ियों की बैकलाइन बनाई, जिससे मैच के पहले एक घंटे तक दोनों टीमों को ज्यादा साफ मौके नहीं मिले। चेल्सी के कोच लियाम रोसेनियर ने बढ़त बनाने के इरादे से एस्तेवाओ और कोल पामर को मैदान में उतारा, लेकिन आर्सेनल की डिफेंस मजबूत बनी रही।

जैसे-जैसे मैच अपने अंतिम मिनटों की ओर बढ़ा, चेल्सी गोल की तलाश में आगे बढ़ने लगी। इसी दौरान आर्सेनल को जवाबी हमला करने का मौका मिला। चोट से हाल ही में लौटे सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी काई हैवर्ट्ज ने शानदार संयम दिखाते हुए गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज को चकमा दिया और गेंद को जाल में डाल दिया। इस गोल के साथ ही आर्सेनल की फाइनल की टिकट पक्की हो गई।

आर्सेनल आठ साल बाद काराबाओ कप के फाइनल में पहुंचा है। अब उसका सामना मैनचेस्टर सिटी या न्यूकैसल यूनाइटेड से होगा, जिनके बीच सेमीफाइनल का दूसरा चरण बुधवार शाम खेला जाएगा।

कप की इस बड़ी जीत के बाद आर्सेनल अब प्रीमियर लीग में वापसी करेगा। वे अपने घरेलू मैदान एन5 में सदरलैंड से भिड़ेंगे। इसके बाद 12 फरवरी को टीम वेस्ट लंदन में ब्रेटफोर्ड के खिलाफ जीतेक कम्युनिटी स्टेडियम में मुकाबला खेलेगी।



बास्केटबॉल के महाकुंभ का आगाज: उदयपुर में 127 विश्वविद्यालयों के 1500 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम, मेजबान BN विवि की शानदार जीत



उदयपुर एजेंसी। विद्या प्रचारिणी सभा भूपाल नोबल्स (BN) विश्वविद्यालय की मेजबानी में मंगलवार को वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। महाराणा प्रताप खेल मैदान पर आयोजित इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गोवा के 127 विश्वविद्यालयों के 1500 से अधिक खिलाड़ी और कोच हिस्सा ले रहे हैं। शानदार मार्च पास्ट और उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि आईजी गौरव श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत और अन्य अतिथियों ने झंडारोहन कर प्रतियोगिता की शुरुआत की। पांच राज्यों से आए खिलाड़ियों के मार्च पास्ट में खेल प्रेमियों का मन मोह लिया। इस अवसर पर अतिथियों ने प्रतियोगिता की

ट्रॉफी और स्मारिका (सोविनियर) का लोकार्पण भी किया।

आईजी का युवाओं को संदेश: सोशल मीडिया नहीं, मानवीय नेटवर्क बढ़ाएंमुख्य अतिथि आईजी गौरव श्रीवास्तव ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आगामी 30 वर्षों तक भारत युवाओं का देश रहेगा और देश की प्रगति उन्हीं के हाथों में है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा

आज का युवा सोशल मीडिया की वचुंअल दुनिया में समय बर्बाद कर रहा है। खेल हमें टीम वर्क और अनुशासन सिखाते हैं। सफल होना है तो सोशल मीडिया की बजाय मानवीय नेटवर्क और नियमों की पालना पर ध्यान दें।

संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि हार-जीत से बढ़कर

खेल भावना महत्वपूर्ण है, जो जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

खेल प्रतिभागों का सम्मान: समारोह में खेल जगत में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए राव हिम्मत सिंह नेनारा, मूल सिंह झीलवाड़ा, सूर्यवीर सिंह बोहेड़ा और करण सिंह उमरी को पागड़ी, शॉल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

पहले दिन के मुकाबले मेजबान ब्रह्म विवि की बड़ी जीत: स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अभिमन्यु सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले ही मैच में मेजबान बीएन विश्वविद्यालय ने दबदबा बनाते हुए गुरु गोविंद जनजाति विवि बांसवाड़ा को 34 पॉइंट के विशाल अंतर से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

अन्य प्रमुख परिणाम : भावनगर विवि ने चारुस्त विवि गुजरात को 33 पॉइंट से हराया। हेमचंद्राचार्य नॉर्थ गुजरात विवि ने मेडिकप्स विवि इंदौर को 35 पॉइंट से शिकस्त दी।

ब्रह्मरूप पिलानी ने रानी दुर्गावती विवि जबलपुर को 10 पॉइंट से हराया।

शिवाजी विवि कोल्हापुर ने SPSU उदयपुर को रोमांचक मुकाबले में 03 पॉइंट से हराया।यह प्रतियोगिता स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों के लिए हो रही है। यहाँ कालीफाई करने वाली टीमों आगामी ऑल इंडिया बास्केटबॉल प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाएंगी। आयोजन सचिव डॉ. हितेश चंद्र रावल ने बताया कि आगामी तीन दिनों तक शहरवासियों को और भी

भारत, इंग्लैंड, सहित ये चार टीमों टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचेंगी : वॉन

लंदन एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में संयुक्त रूप से शुरू हो रहे टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार संभावित टीमों के नाम बताये हैं। वॉन के अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीमें अंतिम चार में पहुंच सकती हैं। वॉन की इस सूची में पिछले साल की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका का नाम नहीं है। वॉन के अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम की संभावनाएं काफी कम हैं। वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के प्रबल दावेदार हैं। इस बार टी20 विश्वकप का प्रारूप 2024 संस्करण जैसा ही रहेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष-10 टॉप रैंकिंग वाली टीमों में से 9 टीमें हिस्सा लेंगी। वॉन ने लिखा, टी20 विश्व कप 2026 में मेरे अनुसार मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। इस बार कुल 20 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी आएंगी। शीर्ष 10 रैंक वाली टीमों में से नौ टीमें खेलेंगी। इस बार बांग्लादेश ने इन टूर्नामेंट का बहिष्कार किया है। ऐसे में उसकी जगह पर स्कॉटलैंड की टीम उतरेंगी। ग्रुप चरण में पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप होंगे। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर 8 चरण में जाएंगी। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, नामीबिया और अमेरिका के साथ है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ करेगा, उसके बाद 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलेंगी। वहीं पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर रहेगी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को बिना खेले ही वॉंकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिलेंगे। इंग्लैंड को ग्रुप सी में रखा गया है। इंग्लैंड की आठ फरवरी को नेपाल, 11 फरवरी को वेस्टइंडीज, 14 फरवरी को स्कॉटलैंड और 16 फरवरी को इटली से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना आयरलैंड से 11 फरवरी, जिम्बाब्वे से 13 फरवरी, श्रीलंका से 16 फरवरी और ओमान से 20 फरवरी को होगा।



गुजरात जायंट्स को 7 विकेट से रौंदकर लगातार चौथी बार फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स



वडोदरा एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को बीसीए स्टेडियम में खेले गए विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के एलिमिनेटर मैच में गुजरात जायंट्स के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ कैपिटल्स ने लगातार चौथी बार खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है, जहां 5 फरवरी को उसका सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। डब्ल्यूपीएल 2023 के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। अगले साल इस टीम ने फिर से फाइनल में जगह बनाई, लेकिन इस बार आरसीबी ने बाजी मार ली। साल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस के हाथों एक बार फिर खिताबी मैच गंवाना पड़ा था। वडोदरा में खेले गए एलिमिनेटर मैच में टॉस गंवाकर बल्लबाजी के लिए उतरी गुजरात जायंट्स ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 168 रन बनाए। इस टीम ने 59 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा दिए थे, जहां से सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी ने जॉर्जिया वेयरहेम के साथ पांचवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला।

वेयरहेम 25 गेंदों में 35 रन बनाकर पवेलियन लौटी, जिसके बाद मूनी ने मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने 51

गेंदों में 6 चौकों के साथ 62 रन की नाबाद पारी खेली। इनके अलावा, काशवी गौतम ने 10 गेंदों में 3 चौकों के साथ 18 रन जुटाए। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से चिनले हैनरी ने 35 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि नंदिनी शर्मा ने 2 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, एक विकेट मित्तु मणि के हाथ लगा। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 15.4 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम को लिजेल ली 24 गेंदों में 1 छक्के और 8 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुई, जबकि शेफाली ने 21 गेंदों में 7 चौकों के साथ 31 रन जुटाए। कैपिटल्स 92 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा चुकी थी। यहां से कप्तान जेमिमा राड्डिगेज ने लौरा वोल्वाइर्ट के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 68 रन जुटाते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। जेमिमा ने 23 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 41 रन बनाए, जबकि लौरा ने 24 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ नाबाद 32 रन बनाए। विपक्षी खेमे से जॉर्जिया ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए। राजेश्वरी गायकवाड़ के हाथ 1 विकेट लगा।



नॉर्वे चैस 2026 में खेलेंगे मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश

स्टावेंजर एजेंसी। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश डेमाराजु नॉर्वे चैस 2026 में हिस्सा लेकर दुनिया के सबसे मजबूत शतरंज टूर्नामेंट्स में से एक में प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे। भारतीय स्टार ओस्लो में शतरंज के इतिहास के सबसे युवा निर्विवाद विश्व चैंपियन के रूप में उतरेंगे। गुकेश ने साल 2024 में कैडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था, जिसके बाद तत्कालीन वर्ल्ड चैंपियन डिंग लिरेंग को हराकर महज 18 साल की उम्र में विश्व खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने कहा, "नॉर्वे चैस में एक बार फिर हिस्सा लेकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। हमेशा की तरह यहां मजबूत खिलाड़ियों का शानदार मैदान होता है और मैं सभी रोमांचक मुकाबलों का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

गुकेश की तेजी से आगे बढ़ने में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां शामिल हैं। इन उपलब्धियों में 2,750 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनना और 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर का टाइटल जीतना शामिल है। यह चैस के इतिहास में तीसरा सबसे कम उम्र का टाइटल है। इंटरनेशनल लेवल पर भारत की हालिया सफलता में भी उनका अहम रोल रहा है। इसके बाद 2024 में उन्होंने बोर्ड वन पर टीम गोल्ड और इंडियनुअल गोल्ड दोनों जीते।

नॉर्वे चैस में गुकेश डी के करियर के अहम पल पहले ही आ चुके हैं। साल 2025 एडिंडन में, वह तीसरे नंबर पर रहे और एक रोमांचक गेम में मैग्नस कार्लसन पर अपनी पहली क्लासिकल जीत हासिल की, जिससे टेबल-स्लैम मोमेंट शुरू हुआ और यह जल्द ही टूर्नामेंट के सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक बन गया।

पूर्व पाक कप्तान राशिद लतीफ को अब भी भारत-पाक मैच होने की उम्मीद

लाहौर एजेंसी। पाकिस्तान ने जबसे टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की बात कही है। जिसके बाद से ही इस मामले को लेकर क्रिकेट जगत में घमासान मचा है। ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) किस प्रकार के कदम उठाता है। वहीं इस सब के बीच ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने दावा किया है कि उन्हें अब भी कोलंबो में भारत पाकिस्तान मैच के होने की उम्मीदें हैं। लतीफ ने कहा, मेरा मानना है कि यह फैसला सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईसीसी के काम करने के तरीके पर भी पड़ेगा। यह कोई रूटीन फैसला नहीं है। इसमें बातचीत के बाद बदलाव हो सकते हैं। एक फैसले में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का माहौल बदलने की क्षमताएं हैं। भारत-पाकिस्तान मुकाबला किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है, जिसे देखने वालों की संख्या अन्य मैचों से कहीं अधिक होती है। विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व भी इसी मैच से आता है। लतीफ का मानना है कि अभी जो भी कहा जा रहा है वह अलग बात है पर 15 फरवरी को दोनों के बीच मैच होने की संभावनाएं बनी हुई हैं। साथ ही कहा कि क्रिकेट से कारोबार भी जुड़ा है। इसके फैसले राजनीतिक स्तर पर लिए जाते हैं जिनका पालन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) करती है। है। पीसीबी प्रमुख मोहम्मिन नकवी भी सरकार में मंत्री हैं। ऐसे में अंत में कोई फैसला हो सकता है।लतीफ के अनुसार हर बार पाक बोर्ड झुका है पर मेरी राय है कि इसबार उसे पीछे नहीं हटना चाहिए। इससे पहले पाक सरकार ने कहा कि टीम टूर्नामेंट में भाग लेगी पर 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच के लिए मैदान पर नहीं उतरेगी।



टी20 विश्वकप में अश्विन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं बुमराह और अर्शदीप

मुम्बई एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसको देखते हुए टीम को इस बार टूर्नामेंट में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर भी इस टूर्नामेंट में सबकी नज़रें रहेंगी। ये दोनों ही इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने के नये रिकार्ड बना सकते हैं। बुमराह और अर्शदीप का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है और इस बार भी ये दोनों नये रिकार्ड बना सकते हैं। इन दोनों के पास इस बार दिगंज स्पिनर आर अश्विन के सबसे अधिक 32 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का अवसर है। जसप्रीत बुमराह बुमराह ने अब तक 5 टी 20 विश्व कप खेले हैं और वह टी20 इतिहास में भारत के तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह ने 2016 से 2024 तक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और

18 मैचों में 5.44 की शानदार इकॉनमी से 26 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सिंह अर्शदीप ने अब तक टी20 विश्वकप के दो संस्करणों में 27 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में कुल मिलाकर 22वें स्थान पर हैं, जहां उनके साथ न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी और वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। आर अश्विन पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय और स्पिन गेंदबाजी के दिगंज रविचंद्रन अश्विन के नाम आईसीसी टीम विश्वकप इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने भारतीय गेंदबाज हैं। साल 2012 से 2022 तक टूर्नामेंट खेलने वाले अश्विन ने 6.49 की इकॉनमी से 32 विकेट लिए हैं। ओवरऑल रैंकिंग में वह मिचेल स्टार्क के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर हैं।



बैकुंठपुर को शीघ्र ही मिलेगा 200 बिस्तरिय नवीन जिला चिकित्सालय भवन

रायपुर(निप्र)। राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि सामने आई है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के विशेष प्रयासों से वर्षों से अधूरा पड़ा कोरिया जिले के बैकुंठपुर का 200 बिस्तरिया जिला चिकित्सालय भवन अब शीघ्र ही पूरा होगा। राज्य शासन ने मुख्य बजट वर्ष 2025-26 में शामिल करते हुए अस्पताल भवन के शेष निर्माण कार्य हेतु 22 करोड़ 59 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान कर दी है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जिला खनिज संस्थान न्यास (डी.एम.एफ.) मद से इस परियोजना के लिए 35 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई थी। इसके तहत छह किरतों में सिर्फ 13 करोड़ रुपए ही निर्माण एजेंसी को जारी किए गए। इसी बीच कोरिया जिले के विभाजन और मनेन्द्रगढ़-चिरगिरी-भरतपुर जिले के गठन के कारण डी.एम.एफ. मद से राशि आवंटन नहीं हो सका और बजट के अभाव में निर्माण कार्य ठप हो गया।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस संवेदनशील मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर लगातार समीक्षा और समन्वय किया। उनके निर्देश पर छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सी.जी.एम.एस.सी.) द्वारा प्रस्ताव तैयार कर राज्य शासन को भेजा गया, जिसे स्वीकार करते हुए मुख्य बजट 2025-26 में शामिल किया गया। अब 22 करोड़ 59 लाख रुपए की स्वीकृति मिलने के साथ ही 200 बिस्तरिय जिला चिकित्सालय भवन का निर्माण कार्य पुनः प्रारंभ होगा। इसके पूर्ण होने से कोरिया जिले सहित सीमावर्ती क्षेत्रों के हजारों नागरिकों को उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी और गंभीर मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। यह निर्णय राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

‘हौसलों की उड़ान: कठिनाइयों को पीछे छोड़ सिविल सेवा तक पहुँचें सुश्री मधु साहू’

रायपुर (निप्र)। संघर्ष, संकल्प और निरंतर मेहनत की मिसाल बन चुकी सुश्री मधु साहू ने यह सिद्ध कर दिया है कि शारीरिक चुनौती सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती। 40 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांगता और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर छत्तीसगढ़ अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी (विनियम विभाग) के पद पर चर्यावर्त होकर अपने सपनों को साकार किया और प्रदेश के दिव्यांग युवाओं के लिए प्रेरणा बनी।

रगढ़ाड़ जिला के तमनार ग्राम की निवासी सुश्री मधु साहू ने प्रतिकूल परिस्थितियों को कभी अपने आत्मबल पर हावी नहीं होने दिया। नियमित अध्ययन, अनुशासित दिनचर्या और आत्मविश्वास के साथ उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जारी रखी। शारीरिक कठिनाइयों के बीच भी उनका संकल्प अटिा रहा और यही निरंतर मेहनत उनकी सफलता की नींव बनी। उनकी इस उपलब्धि पर समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित ‘श्रितित अपार संभावनाएं’ सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पात्र पाए जाने पर 50 हजार रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई। यह आर्थिक सहयोग उनके लिए केवल राशि नहीं, बल्कि उनके संघर्ष और परिश्रम की सरकारी स्वीकृति है।

प्रोत्साहन राशि प्राप्त होने के पश्चात सुश्री मधु साहू ने भावुक होकर कहा कि इस सहयोग से उन्हें न केवल आर्थिक संबल मिला, बल्कि यह विश्वास भी मजबूत हुआ कि राज्य शासन उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि यह प्रोत्साहन उनकी आगे की तैयारी और जिम्मेदारियों को निभाने में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास देगा। सुश्री मधु साहू ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, शिक्षकों तथा जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग को देते हुए आभार व्यक्त किया। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि मेहनत जब संकल्प से जुड़ी है और शासन की संवेदनशील नीतियों का साथ मिलता है, तो हर ‘असम्भव’ सम्भव बन जाता है।

महतारी वंदन से आर्थिक रूप से सशक्त हुई महिलाएं

सहायता राशि से सिलाई मशीन खरीद श्रीमती भगवती रात्रे बनी आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। महतारी वंदन योजना राज्य की महिलाओं के जीवन में आशा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया उजाला लेकर आई है। इस योजना की सफलता का प्रेरणादायी उदाहरण साराढ़ जिला के बरमकला विकासखंड के ग्राम पंचायत संडा की निवासी भगवती रात्रे हैं, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी साहस, सुझबूझ और मेहनत से अपने परिवार को सभालने का संकल्प लिया।

भगवती रात्रे के परिवार में वे स्वयं, उनके पति और तीन वर्ष की छोटी बेटी हैं। विवाह के बाद पारिवारिक परिस्थितियों के कारण उन्हें ससुराल से अलग रहना पड़ा। परिवार की संपूर्ण जिम्मेदारी उनके पति पर थी, जो मजदूरी कर किसी तरह घर का खर्च चलाते थे। दुर्भाग्यवश एक गंभीर दुर्घटना में उनके पति का काम करने में असमर्थ हो गए। इसके बाद इलाज, घर के दैनिक खर्च और मासूम बच्चों की जरूरतों ने परिवार को गहरे आर्थिक संकट में डाल दिया। ऐसे चुनौतीपूर्ण

समय में महतारी वंदन योजना भगवती रात्रे के जीवन में संबल बनकर सामने आई। योजना के तहत मिलने वाली प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता राशि को उन्होंने केवल खर्च तक सीमित न रखते हुए नियमित बचत की शुरुआत की। इसी बचत और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने 6 हजार रुपये की सिलाई मशीन खरीदी और स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया। भगवती रात्रे सिलाई कार्य के माध्यम से प्रतिमाह लगभग 5 हजार

रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। इस आय से वे अपने परिवार का भरण-पोषण, पति के इलाज में सहयोग, बेटी की पढ़ाई तथा घर की आवश्यकताओं को सम्मानपूर्वक पूरा कर पा रही हैं। महतारी वंदन योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि आत्मविश्वास, स्वावलंबन और सामाजिक सम्मान भी प्रदान किया है। आज वे अपने पैरों पर मजबूती से खड़ी हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

छत्तीसगढ़ में 5000 शिक्षकीय पदों पर भर्ती को मिली स्वीकृति

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य में शिक्षकीय संसाधनों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। राज्य शासन ने कुल 5000 शिक्षकीय पदों पर नवीन भर्ती की स्वीकृति प्रदान कर दी है।

स्कूल शिक्षा विभाग के विभागीय आदेश के माध्यम से पूर्व में 4708 शिक्षकीय पदों पर भर्ती की अनुमति प्रदान की गई थी। इसके अतिरिक्त विभागीय प्रस्ताव के अनुसार 292 सहायक शिक्षकों के नवीन पदों के सृजन की सहमति देते हुए उन पर भी भर्ती की अनुमति प्रदान की गई है। इस प्रकार कुल स्वीकृत पदों की संख्या अब 5000 हो गई है।

समाज के हर व्यक्ति के सुख-दुख में हों शामिल कोई अकेला महसूस न करें : श्री अरुण साव

जिला साहू संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज जिला साहू संघ बालोद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर सभी को नव दायित्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस अवसर पर समाज के विद्यार्थियों के हित में छात्रावास भवन के लिए भूमिपूजन किया। साथ ही सामाजिक भवन में बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 25 लाख रुपए की घोषणा की। श्री साव ने कहा कि समाज ने शिक्षा और सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य किया है। इसका लाभ समाज के बच्चों को होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के लिए संकल्प लेने का दिन है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नेतृत्व में बालोद जिला साहू समाज निरंतर



प्रगति करेगा। शिक्षा, कृषि, राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने के मामले में बालोद जिले की हमेशा एक अलग पहचान रही है, जिसे आगे और सशक्त बनाने की जिम्मेदारी अब नए पदाधिकारियों के कंधों पर है। श्री साव ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग गरीब, मजदूर, रिक्शा चालक, ऑटो चालक सहित सभी के लिए समाज का द्वार सदैव खुला रहना

चाहिए। सामाजिक पदाधिकारियों का दायित्व है कि वे हर व्यक्ति के सुख-दुख में साथ खड़े रहें, ताकि हर सदस्य यह महसूस करे कि समाज उसके साथ है। साथ ही वर्ष में कम से कम दो बार सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे, जिससे समाज से उनका जुड़ाव मजबूत हो और वे समाज में अपने महत्व को समझ सकें।

राज्यपाल श्री रमेन डेका से राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त ढोकरा शिल्प कलाकारों ने की सौजन्य भेंट



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। साराढ़ जिले के जनजातीय बाहुल्य ग्राम बैगनडीह (सालर) के राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित जनजाति समुदाय के ढोकरा-बेलमेटल शिल्पकारों ने आज राज्यपाल रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर कलाकारों ने पारंपरिक ढोकरा शिल्प कला से निर्मित बेल मेटल की आकर्षक मूर्तें राज्यपाल को भेंट की। राज्यपाल ने शिल्पकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ढोकरा शिल्प जैसी पारंपरिक जनजातीय कलाएं भारत की सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कलाकारों की सृजनात्मक क्षमता और

समर्पण की सराहना करते हुए आश्चर्य व्यक्त किया कि ऐसे प्रतिभावान शिल्पकारों को प्रोत्साहित करने और उनकी कला को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ग्राम बैगनडीह (सालर) के ढोकरा शिल्पी मीन केतन बघेल को वर्ष 2018 में तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती हीराबाई बघेल को वर्ष 2023 में उनके उत्कृष्ट ढोकरा-बेलमेटल शिल्प कार्य के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दोनों कलाकारों ने ढोकरा (बेलमेटल) शिल्पकला की विशिष्ट पहचान विरासत को अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कलाकारों की सृजनात्मक क्षमता और

विष्णुदेव सरकार का श्रमिकों को तोहफा

श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन और बीओसी अध्यक्ष श्री रामप्रताप सिंह ने बटन दबाकर 9328 श्रमिकों के खाते में 18.23 करोड़ की राशि की अंतरित



कर्मकार कल्याण मंडल से ही अब तक 11 लाख से अधिक श्रमिकों को 500 करोड़ से अधिक की राशि से

लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह ने इस अवसर पर कहा की छत्तीसगढ़

● **योजना वार लाभान्वित श्रमिकों एवं की गई डीबीटी की जानकारी :** मिनीमाता महतारी जतन योजना श्रमिक 3555 राशि 71100000, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना श्रमिक 1098 राशि 4067595, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना श्रमिक 278 राशि 6248582, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना श्रमिक 6 राशि 120000, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना श्रमिक 747 राशि 1120500, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना श्रमिक 1 राशि 50000, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना श्रमिक 318 राशि 32200000, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना श्रमिक 2673 राशि 53460000, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना श्रमिक 537 राशि 10740000, मुख्यमंत्री आवास सहायता योजना श्रमिक 23 राशि 23000000, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना श्रमिक 84 राशि 126000, दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना श्रमिक 8 राशि 800000 शामिल है।

सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में श्रमिकों को

योजनाओं का लाभ सरल और पारदर्शी तरीके से सीधे उनके हाथों तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से सफर हुआ सफल

सुदूर वनांचल के गांवों की बदली तस्वीर, स्वास्थ्य कर्मी, छात्रों और ग्रामीण को मिली परिवहन की सुविधा

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का उद्देश्य सुदूर वनांचल, विशेषकर बस्तर और सरगुजा क्षेत्रों में, ग्रामीणों को सुलभ और सुरक्षित परिवहन प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से दूरस्थ गांवों को जिला मुख्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों और रेलवे स्टेशनों से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना न केवल सड़कों पर दौड़ रही है, बल्कि यह ग्रामीणों के समय, सुविधा और सपनों को सहेजने का माध्यम बन गई है। सरगुजा जिले के बाद से बरियौ, चारपाग, ककना, सिधमा, अखोराखुर्द, रूखपुर, चिखलाडीह, नर्मदापुरा, सरगांव और अम्बिकापुर तक बस सेवा शुरू होने से ग्रामीणों में भारी उत्साह है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की दूरगामी सोच और संवेदनशीलता का परिणाम है कि आज सरगुजा जिले के उन दूरस्थ अंचलों में भी विकास की गूंज सुनाई दे रही है, जहां कभी परिवहन एक बड़ी चुनौती थी।

शहरी स्वास्थ्य अस्पताल में कार्यरत श्रीमती परमानिया पैकर ने अपनी खुशी साझा करते हुए बताया कि इस मार्ग पर यह पहली बस सेवा है। उन्होंने कहा कि, पहले ड्यूटी पर समय से पहुंचना और फिर सुरक्षित घर



वापस आना एक बड़ी चिंता होती

थी। लेकिन जब से यह बस शुरू हुई है, हमें बहुत सुविधा मिल रही है। अब हम समय पर अस्पताल पहुंचते हैं और वक्त पर घर भी लौट आते हैं। इसी तरह स्वास्थ्य कर्मी चंद ढोपा ने बताया कि बांदा क्षेत्र से होने के कारण पहले आवागमन के साधन न के बराबर थे। बस सेवा शुरू होने से अब उनकी पेशेवर जिंदगी आसान हो गई है और इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का तहे दिल से आभार व्यक्त किया है।

विद्यार्थियों के जीवन में इस योजना से क्रांतिकारी बदलाव लेकर आई है। पुष्पेंद्र कॉलेज ऑफ नर्सिंग की फाइनल ईयर की छात्रा लक्ष्मी कहती हैं कि पहले मुझे बस पकड़ने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती

थी, लेकिन अब बस मेरे घर के सामने से ही गुजरती है। इससे मैं पढ़ाई के लिए बहुत सहज महसूस करती हूँ। वहीं पीजी कॉलेज की छात्रा निशा ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि पहले उसे बस पकड़ने के लिए 5 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था। अब सिंदमा गाँव से ही बस मिलने के कारण वह सीधे गाँवी चौक तक का सफर बिना किसी पेशानी के तय कर रही है।

सरगुजा जिले के सिंदमा गाँव के निवासी दिव्यांग सिंह ने बताया कि बस सुविधा न होने के कारण उन्हें प्रतिदिन 5 किलोमीटर तक बाइक या पैदल सफर तय करना पड़ता था। दिव्यांग कहते हैं कि अब गाँव से ही बस चलने लगी है।

कार्यशाला में 46 पक्षी प्रजातियों की हुई पहचान

बालसमुंद जलाशय में आर्द्रभूमि संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन हेतु जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। आर्द्रभूमियाँ अविश्वसनीय जैव विविधता का घर हैं और पृथ्वी पर सबसे समृद्ध और विविध पारिस्थितिक तंत्रों में से हैं। ये कई लुप्तप्राय संकटग्रस्त और स्थानिक प्रजातियों को आश्रय देती हैं जो केवल कुछ निश्चित आर्द्रभूमि आवासों में ही जीवित रह सकती हैं। विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2026 के अवसर पर 2 फरवरी को बालसमुंद जलाशय, पलारी में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बलौदाबाजार द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सिंदेश्वर महादेव मंदिर परिसर, बालसमुंद जलाशय क्षेत्र में संपन्न हुआ। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य पृथ्वी के लिए आर्द्रभूमि की जागरूकता बढ़ाना है, क्योंकि ये पारिस्थितिकी तंत्र जंगलों की तुलना में तीन गुना तेजी से लुप्त हो रहे हैं। इस



आयोजन में लगभग 60 प्रतिभागियों, 5 विशेषज्ञों तथा जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से 49 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्द्रभूमियों के पारिस्थितिक महत्व, जैव विविधता संरक्षण तथा स्थानीय स्तर पर समुदाय की सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान पक्षी अवलोकन एवं आर्द्रभूमि अध्ययन की व्यावहारिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। छात्र-छात्राओं द्वारा जलाशय से जल नमूने एकत्रित किए गए तथा

बारनवापारा अभ्यारण्य के फॉरेस्ट गाइड्स के सहयोग से 46 पक्षी प्रजातियों की पहचान की गई। प्रतिभागियों को तालाब में पाए जाने वाले जलीय जीव-जंतुओं, जल गुणवत्ता तथा आसपास की पारिस्थितिक तंत्र की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने अपने संबोधन में बताया कि आर्द्रभूमियाँ न केवल पक्षियों एवं जलीय जीवों का प्राकृतिक आवास हैं, बल्कि ये भूजल पुनर्भरण, बाढ़ नियंत्रण, जल शुद्धिकरण, स्थानीय जलवायु संतुलन एवं

आजीविका समर्थन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बालसमुंद जलाशय जैसे जलस्रोत क्षेत्रीय स्तर पर स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम में नगर पंचायत पलारी के अध्यक्ष गोपी साहू, उपाध्यक्ष पिंटू वर्मा, हितेंद्र ठाकुर एवं शोधार्थी दीपक तिवारी रहे। इसके अतिरिक्त छिटी रेंजर सर्वश्री धर्म सिंह बरिहा, बीट प्रभारी मनमोहन टंडन, आबिद अली खान, रामनारायण यादव सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सक्षम बनाएगा। ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी संचालन को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को विशेष रूप से डिजिटल फाइल मूवमेंट, प्रक्रिया सरलीकरण, नीतियों एवं योजनाओं के समयबद्ध गतिविधियाँ आयोजित की गुणवत्ता एवं प्रशासनिक दक्षता में

सुधार से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रशासनिक आधुनिकीकरण की दिशा में संचालित सतत सुधार प्रक्रिया की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

रजत जयंती महोत्सव: गोढ़ी से बड़गांव मार्ग तक सड़क का होगा चौड़ीकरण

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के रजत जयंती महोत्सव के विशेष अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों में जन सामान्य का आवागमन सुगम बनाने के लिए महत्वपूर्ण सड़क निर्माण के कार्यों को कराने के लिए स्वीकृति जारी की गई है। इसी कड़ी में रजत जयंती के विशेष मौके पर जिला रायपुर के अंतर्गत गोढ़ी तोड़गांव बड़ाव गांव चौड़ीकरण मजबूतीकरण कार्य पुनःपुलिया सहित लम्बाई 4 किलोमीटर कार्य के लिए 21 करोड़ 55 लाख 97 हजार रूपए स्वीकृत किए गए हैं। क्षेत्र में इन महत्वपूर्ण सड़कों के कार्यों की स्वीकृति मिलने से लोगों का आवागमन और सुविधा जनक हो जाएगा। इस मार्ग के कार्य किया जाना क्षेत्रीय लोगों के आवागमन के लिए अति महत्वपूर्ण है। इन कार्यों की स्वीकृति मिलने से सड़क निर्माण कार्य शीघ्र होने से लोगों को सुविधा होगी।